RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

वर्ष : 26 अंक : 191 website:www.chetnamanch.com नोएडा, मंगलवार, 02 जुलाई, 2024 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रुपया पेज: 8

[संसद सत्र का सातवां दिन]

'होइहि वही जो राम रचि राखा'

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के विशेष सत्र में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान बोलते हुए उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने एनडीए सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि जब भी केन्द्र में इंडी गठबंधन की सरकार आएगी इवीएम और अग्निवीर योजना को खत्म किया जाएगा। यूपी के अयोध्या सीट पर मिली हार को लेकर अखिलेश यादव ने कहा कि वहां की जीत भारत के परिपक्व जनता की जीत है। उन्होंने सत्ताधारी पार्टी बीजेपी पर तंज कसते हुए कहा, 'होई वही जो राम रचि राखा।' अखिलेश ने कहा कि केन्द्र की भाजपा सरकार आरक्षण और नौकरियों को लेकर खिलवाड़ कर रही है। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान बोलते हुए (शेष पृष्ठ-4 पर)

अखिलेश का केन्द्र पर हमला

आरक्षण और नौकरियों से खिलवाड़ कर रही है भाजपा : अखिलेश

जिसे गोद लिया, उसे अनाथ छोड़ दिया

अखिलेश यादव ने कहा कि जिस यूपी ने कभी बीजेपी की सरकार बनवाई, उस यूपी से भेदभाव किया गया। उन्होंने एक्सप्रेसवे को लेकर सरकार को घेरकर कहा कि जो भी एक्सप्रेसवे बने हैं, यूपी के बजट से बने हैं। केंद्र ने एक भी एक्सप्रेसवे नहीं दिया है। अखिलेश ने कहा कि पीएम ने जिस गांव को गोद लिया था, उसकी तस्वीर भी नहीं बदली। 10 साल में वही कच्ची पगडंडिया हैं, वही टूटी सड़कें हैं। इन्हें तो पता नहीं नाम भी याद होगा या नहीं। नाम पूछकर शर्मिंदा नहीं करूंगा। जिसे गोद लिया जाता है, उसे अनाथ छोड़ देना अच्छी बात नहीं।

हम ईवीएम को हर हाल में हटाएंगे

अखिलेश यादव ने अपने संबोधन में कहा कि देश में जब चुनाव हुआ और आचार संहिता लागू की गई तो हमने देखा कि चुनाव आयोग कुछ लोगों पर मेहरबान रहा। वह संस्था निष्पक्ष होगी तो भारत का लोकतंत्र मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि ईवीएम पर मुझे आज भी भरोसा नहीं है। 80 की 80 सीटें जीत जाऊं तब भी नहीं होगा। हमने चुनाव में भी कहा था कि ईवीएम से जीतकर ईवीएम हटाएंगे। उन्होंने कहा की सरकारी संस्ताओं के निष्पक्ष तरीके से काम करने से न केवल लोकतंत्र चमकेगा बल्कि लोकतंत्र और मजबूत होगा। अध्यक्ष महोदय ईवीएम पर कल भी भरोसा नही था। अगर मैं 80 की 80 सीट भी जीत जाऊं तब भी ईवीएम पर भरोसा नहीं होगा।

संसदीय नियमों और आचरण का पालन करें : पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को एनडीए सांसदों के साथ बैठक की। इस बैठक में प्रधानमंत्री ने एनडीए सांसदों को संसदीय नियमों और संसदीय आचरण का पालन करने की अपील की। प्रधानमंत्री ने कहा कि विपक्ष एक गैर कांग्रेसी नेता का लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनना बर्दाश्त नहीं कर पा रहा है।

एनडीए सांसदों की बैठक को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने एनडीए सांसदों से वरिष्ठ सदस्यों से संसद की सर्वोत्तम प्रथाओं के बारे में सीखने की अपील की। पीएम मोदी की यह अपील राहुल गांधी के लोकसभा में सोमवार को दिए भाषण के बाद सामने आई है, जिसे एनडीए ने सबसे गैर जिम्मेदाराना भाषण करार दिया है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने

बैठक के बाद संवाददाताओं को जानकारी देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सांसदों से संसदीय मुद्दों का अध्ययन करने, नियमित रूप से संसद में उपस्थित रहने तथा अपने निर्वाचन क्षेत्र से संबंधित मामलों को प्रभावी ढंग से उठाने को कहा।

किरेन रिजिजू से पूछा गया कि क्या प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को लोकसभा में दिए गए राहुल गांधी के भाषण का जिक्र किया? तो इस पर रिजिजू ने कहा कि उन्होंने ऐसा कुछ नहीं कहा, लेकिन जब देश के प्रधानमंत्री बोलते हैं, तो संदेश सभी के लिए होता है। उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी ने सोमवार को लोकसभा में भाजपा पर जोरदार हमला किया था, जिसमें सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं पर सांप्रदायिक आधार पर लोगों को बांटने का आरोप लगाया गया था। इसका सत्ता पक्ष ने भारी विरोध किया था, प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस नेता पर पूरे हिंदू समुदाय को हिंसक कहने के लिए हमला बोला था।

रिजिजू ने कहा कि गठबंधन की बैठक में एनडीए नेताओं ने मोदी को उनके 'ऐतिहासिक' तीसरे कार्यकाल के लिए बधाई दी। प्रधानमंत्री ने सांसदों से मीडिया के सामने टिप्पणी करने से पहले किसी भी मुद्दे का अध्ययन करने को कहा और कहा कि उन्हें अपने निर्वाचन क्षेत्रों के संपर्क में रहना चाहिए और मतदाताओं को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहिए।

आत्महत्या के लिए उकसाने की FIR दर्ज

नोएडा (चेतना मंच)। सदरपुर कॉलोनी में युवक द्वारा आत्महत्या किए जाने के मामले में उसकी पत्नी ने अपने दो जेठ के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता का आरोप है कि उसकी पति की मृत्यु के बाद उसके जेठ ने कमरे में रखे लाखों रुपए के आभूषण जरूरी दस्तावेज भी चोरी कर लिए। थाना सेक्टर-39 में दर्ज कराई रिपोर्ट में जनपद आजमगढ़ निवासी रेखा गिरी ने बताया कि 26 मार्च 2024 को उसके पति धर्मपाल गिरी ने अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। 27 मार्च को उसके जेठ परमिन्दर गिरी और धर्मेंद्र गिरी ने उसके कमरे का ताला लगाकर चाबी अपने पास रख ली और उसे तथा बच्चों को उसकी ननद के पास रहने के लिए भेज दिया। (शेष पृष्ठ-4 पर)

जमीन और पैसों के लालच में भाई-भाभी बने जान के दुश्मन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। दादरी में जमीन और पैसों को हड़पने के लिए भाई अपने छोटे भाई की जान का दुश्मन बन गया है। पीड़ित भाई का आरोप है कि उसके भाई ने पिता की भी हत्या की थी और इस मामले में जेल भी गया था। जेल से आने के बाद भाई और भाभी उसको व उसकी पत्नी को संपत्ति के लालच में मरवाना चाहते हैं।

ग्राम पाला निवासी बृजेश ने थाना दादरी में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि करीब 2 वर्ष पहले उसके भाई लोकेश ने पिता विपतराम की हत्या की थी। इस मामले में लोकेश जेल भी गया था। जेल से आने के बाद जमीन तथा उसके बैंक में जमा रूपयों को हड़पने की नीयत से उसके भाई लोकेश व भाभी रीना ने उसे करीब 6 माह तक बंधक बनाए रखा। इस दौरान

उसे खाने में नशीला पदार्थ खिलाकर अक्सर बेहोशी की हालत में रखा जाता था। भाई-भाभी उसे भरपेट खाना भी नहीं देते थे। गांव का कोई व्यक्ति अगर उसकी मदद करना चाहता तो वह उसे भी भुगत लेने की धमकी देते थे।

बृजेश के मुताबिक किसी तरह वह अपने भाई और भाभी के चंगुल से छूटा और उसने 9 अप्रैल 2024 को शादी कर ली। उसके द्वारा शादी करने से बौखलाए उसके भाई व भाभी उसे तथा उसकी पत्नी को (शेष पृष्ठ-4 पर)

छत पर मिला केयरटेकर का शव

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। बिरोंडा गांव के पास बने सुलभ शौचालय के केयरटेकर का शव संदिग्ध परिस्थितियों में छत पर पड़ा हुआ मिला। केयरटेकर के नाक और मुंह से खून बह रहा था। इस कारण आशंका जताई जा रही है की संभवत: उसकी हत्या की गई है। थाना बीटा-2 पुलिस को सूचना मिली कि बिरोंडा गांव के पास बने सुलभ शौचालय की छत पर एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है। युवक की पहचान हमीरपुर निवासी महेश कुमार पुत्र देवीदीन के रूप में हुई। प्रारंभिक जांच में पता चला कि महेश कुमार सुलभ शौचालय की (शेष पृष्ठ-4 पर)

केन्द्रीय जल संसाधन मंत्री कल करेंगे भाजपा की संगोष्ठी

नोएडा (चेतना मंच)। जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के उपलक्ष्य में 6 जुलाई तक ज ग ह - ज ग ह पौधारोपण तथा संगोष्ठी आयोजित की जा रही है। मालूम हो कि 6 जुलाई को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती है।

इसी कड़ी में कल 3 जुलाई को भारतीय जनता पार्टी नोएडा महानगर कमेटी सेक्टर-116 स्थित कार्यालय पर संगोष्ठी करेगी। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि सांसद व केन्द्रीय जल संसाधन मंत्री स्वतंत्र कुमार सिंह संबोधित करेंगे। यह जानकारी भारतीय जनता पार्टी के जिला महामंत्री उमेश त्यागी ने दी।

श्री त्यागी ने बताया कि संगोष्ठी के अलावा सभी मंडलों तथा बूथों में पौधारोपण अभियान चलाया जा रहा है जो 6 जुलाई तक चलेगा। संगोष्ठी में कार्यकर्ताओं को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के व्यक्तित्व तथा कृतित्व तथा पार्टी के भावी कार्यक्रमों की भी जानकारी दी जाएगी।

किशोरी सहित चार ने की आत्महत्या

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। अलग-अलग स्थानों पर एक किशोरी सहित तीन लोगों ने फांसी लगाकर जान दे दी। तीनों के पास से ही कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है जिस कारण आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

थाना बादलपुर क्षेत्र के गिरधरपुर गांव में रहने वाले प्रदीप की (17 वर्षीय) बेटी सोमवार को घर में अपनी छोटी बहन के साथ थी। उसने अपनी छोटी बहन को कुछ सामान लाने के लिए बाहर भेज दिया था। कुछ समय बाद जब छोटी बहन वापस घर लौटी तो उसे रश्मि फांसी के फंदे पर लटकी हुई मिली। उसके शोर मचाने पर आस-पड़ोस के लोग व परिजन मौके पर पहुंचे। परिजन उसे अस्पताल ले गए जहां चिकित्सकों ने उसे (शेष पृष्ठ-4 पर)

साढे पांच तोले की चेन तोड़कर बदमाश फरार

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-24 क्षेत्र के मोरना गांव में बाइक सवार बदमाश एक युवक के गले से साढे पांच तोले की सोने की चेन लूटकर फरार हो गए। पीड़ित ने बदमाशों को पकड़ने का प्रयास भी किया लेकिन वह हत्थे नहीं चढ़े। पुलिस ने लूट की इस घटना को करीब 23 दिन बाद दर्ज किया है।

ग्राम मोरना निवासी अशोक कुमार पुत्र बेगराज सिंह ने बताया कि वह 7 जून के रात्रि को अपने घर के बाहर कार खड़ी कर रहे थे। इस दौरान जैसे ही वह कार से बाहर निकले तो पीछे से बाइक पर आए दो

बदमाशों ने उनके गले से सोने के चेन झपट ली। उन्होंने शोर मचाकर बदमाशों का पकड़ने का प्रयास किया लेकिन वह फरार हो गए। अशोक कुमार के मुताबिक लूटी गई चेन का वजन करीब साढ़े पांच तोले है। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है और जांच पड़ताल की जा रही है।

मेट्रो स्टेशन से दो मोबाइल चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। शहर के मेट्रो स्टेशनों पर मोबाइल व पर्स चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। आए दिन चोर मेट्रो स्टेशनों पर चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के अलग-अलग मेट्रो स्टेशनों पर चोरों ने मोबाइल चोरी की दो घटनाओं को अंजाम दिया है। थाना सेक्टर-39 में दर्ज कराई रिपोर्ट में अतुल्य मिश्रा ने बताया कि वह सेक्टर-52 से मेट्रो स्टेशन पर चढ़ा था। बोटैनिकल गार्डन आने पर उसे एहसास हुआ कि उसका मोबाइल फोन चोरी हो गया है। उसने जब अपने मोबाइल पर कॉल की तो वह स्विच ऑफ था। इसके बाद उसने अपने लैपटॉप पर फाइंड माय डिवाइस ऐप (शेष पृष्ठ-4 पर)

चोरी की बिजली से टयूबवेल चलाने पर बवाल, फायरिंग में युवक घायल

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के म्याना गांव में बिजली विभाग द्वारा छापेमारी के दौरान चोरी से टयूबवेल चलाए जाने का मामला पकड़े जाने के बाद दो पक्षों के बीच खूनी संघर्ष हो गया। दोनों पक्षों के बीच जमकर लाठी-डंडे व बल्लम चले। इस दौरान हुई फायरिंग में एक युवक भी घायल हो गया। थाना रबूपुरा पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है।

ग्राम म्याना निवासी ओमन पुत्र रतन सिंह के खेत में चोरी की बिजली से ट्यूबवेल चल रही थी। इस दौरान बिजली विभाग ने छापा मारकर बिजली चोरी के मामले को पकड़ लिया। विद्युत विभाग के अधिकारियों के जाने के बाद ओमन ने पड़ोसी रिंकू, जीतू, दिनेश पर बिजली विभाग के अधिकारियों को बिजली चोरी की सूचना देने का आरोप लगाते हुए गाली-गलौज शुरू कर दी। दोनों पक्षों के बीच किसी बात को लेकर वाद-विवाद होने लगा। थोड़ी ही देर में वाद-वाद ने गंभीर रूप धारण कर लिया और जमकर लाठी डंडे चलने लगे। जीतू पक्ष का आरोप है कि झगड़े के दौरान संजू घर से बंदूक ले आया और उसके भाई रिंकू पर गोली चला दी। गोली उसके भाई की जांघ में लगी और वह लहू लुहांन होकर गिर गया। परिजन जब उसे उठाकर (शेष पृष्ठ-4 पर)

"श्रद्धांजलि"
स्व0 श्री कैलाश चन्द्र शर्मा
(23-06-1937 - 02-07-2002)
संस्थापक,
कैलाश अस्पताल समूह
22 वीं पुण्य-तिथि
जो ज्योति हमारे बीच कभी, सबको सत्पथ दिखलाती थी।
जीवन का ध्येय समर्पण है, यह परिभाषा सिखलाती थी।
वह हम सबको ज्योतिर्मय कर, कर गयी क्षितिज के पार गमन।
कर रहे पुण्य तिथि पर उनको, श्रद्धा स्वरूप हम आज नमन।
आपके आदर्शों की ओर सदैव अग्रसर...
ललिता शर्मा (धर्मपत्नी)
दिनेश, नरेश,
राजेश, उमेश (पुत्र)
मालती, कान्ति (बहिनें) एवम्
कैलाश अस्पताल परिवार
डा. महेश शर्मा
सांसद - लोकसभा गौतमबुद्ध नगर
डा. उमा शर्मा
अध्यक्ष
डा. पल्लवी शर्मा
निदेशक
डा. कार्तिक शर्मा
प्रबंध निदेशक
दूरभाष: 0120-2444444, 2466666
ई-मेल: drmahesh3333@gmail.com

पिस्टल की बट से युवक पर वार, दबंग दे रहे हैं धमकी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। बाजार में सब्जी खरीद रहे एक युवक पर तीन युवकों ने जानलेवा हमला कर दिया। मारपीट के दौरान एक आरोपी ने युवक के सिर पर पिस्टल की बट से वार कर उसे घायल कर दिया। आरोपियों के हौंसले इस कदर बुलंद हैं कि इस हमले के बाद भी युवक को अंजाम भुगतने की धमकी दी जा रही है। पीड़ित ने तीन लोगों के खिलाफ इस मामले में थाना बिसरख में मुकदमा दर्ज कराया है।

ग्राम मिल्कलच्छी निवासी विशाल नागर पुत्र सदाराम नागर ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि वह 30 जून की रात्रि को अपने घर से साप्ताहिक बाजार में घरेलू सामान की खरीदारी करने के लिए गया था। बाजार में वह सब्जी खरीद रहा था इस दौरान ग्राम सादुल्लापुर निवासी यश नागर ने अचानक उसके सिर पर पिस्टल की बट से वार कर उसे घायल कर दिया। उसने जब विरोध करने का प्रयास किया तो यश नागर के साथ ही अनु उर्फ (शेष पृष्ठ-4 पर)

प्रदेश का पहला निजी मोटर ड्राईविंग स्कूल बनकर तैयार!

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश का पहला प्रत्यापन चालन प्रशिक्षण केन्द्र (एडीटीसी) बनकर तैयार है। निजी क्षेत्र के तहत बनने वाला प्रदेश का यह पहला मोटर ड्राईविंग स्कूल है। यहां पर चालकों को ड्राईविंग का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। साथ ही साथ यह एडीटीसी ड्राईविंग लाईसेंस भी जारी करने में अहम भूमिका निभाएगा। यह जानकारी (एआरटीओ प्रशासन) डा. सियाराम वर्मा ने दी।

डा. वर्मा ने बताया कि दादरी के प्यावली में बिसाहड़ा रोड पर यह मोटर ड्राईविंग स्कूल स्थापित किया गया है। अभी इसके लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी नहीं हुआ है। शीघ्र ही एसओपी जारी होने तथा लखनऊ से आदेश मिलते ही यहां कार्य शुरू कर दिया जाएगा। इस स्कूल की ऑडिट रिपोर्ट तथा आरटीओ एवं

एआरटीओ की आख्या भी परिवहन मुख्यालय भेजी जा चुकी है।

एआरटीओ ने बताया कि जनपद में मोटर ड्राईविंग ट्रेनिंग स्कूल के दो अन्य आवेदन भी प्राप्त हुए हैं जो अभी प्रक्रियाधीन हैं। वहीं ओम सांई मोटर ड्राईविंग ट्रेनिंग स्कूल को मुख्यालय द्वारा लेटर ऑफ इंटेंट जारी किया जा चुका है।

सत्र 2024 -2025 के लिए एडमिशन प्रक्रिया शुरु
स्कूल कोड 09100110910
सरस्वती
ग्लोबल स्कूल
सेक्टर 22 नोएडा
NOIDA FLOWER SHOW
फ़ोन .08750611103

विश्व विजेता

वाह, शाबाश, कमाल और करिश्मा! क्रिकेट की टीम इंडिया के लिए और कितने शब्दों का इस्तेमाल करें। आज टीम इंडिया टी-20 की विश्व विजेता है। यह अप्रतिम खेल-उपलब्धि है। टीम इंडिया 2007 में भी, महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में, दनादन क्रिकेट की सर्वप्रथम विश्व विजेता बनी थी। 17 लंबे सालों की प्रतीक्षा और निरंतर संघर्ष के बाद टीम इंडिया दोबारा विश्व चैम्पियन बनी है। यह आत्मविश्वास, धैर्य, जीतने के जज्बे और एकसूत्र में बंधी टीम की शानदार जीत है। देश खुशी से झूम रहा है। आंखें नम हैं और मुस्कान से भीगी भी हैं। असंख्य देशवासियों ने अनगिनत दुआएं भी दी होंगी। पूजा-पाठ भी किए गए। यह जीत अकल्पनीय, अप्रत्याशित और आशातीत नहीं है, क्योंकि टीम इंडिया कई बार जीत की दहलीज तक पहुंच कर ठिठकती और पराजित होती रही है। विश्व विजेता बनने के लिए कमाल की बल्लेबाजी, सटीक और स्विंगर गेंदबाजी, चुस्त और असंभव-सा क्षेत्ररक्षण कर टीम इंडिया ने साल-दर-साल मेहनत की है। यह बात कप्तान रोहित शर्मा ने कही है। इस बार दक्षिण अफ्रीका को 7 रनों से हरा कर विश्व विजयी तिरंगा लहराया है, तो टीम इंडिया पराजय के जबड़े से 'अतुलनीय जीत' छीन कर लाई है। बेशक यह संकरी और रोमांचक जीत रही है। सबसे अद्भुत उपलब्धि तो यह है कि भारत के क्रिकेटर पूरे विश्व कप में 'अजेय' रहकर विश्व विजेता बने हैं। यह रोहित शर्मा के 257 रनों, सूर्यकुमार यादव के 199 विस्फोटक रनों, फाइनल मैच में मास्टर विराट कोहली के 59 गेंदों पर 76 रन और अक्षर पटेल की 31 गेंदों पर 47 रनों की छक्केदार पारी के साथ-साथ बुमराह की 15, अर्शदीप सिंह की 17, हार्दिक पंड्या की 11 और कुलदीप यादव की 10 विकेटों की सामूहिक जीत है। बेशक ऋषभ पंत के योगदान को भी भुलाया नहीं जा सकता। टीम इंडिया का गठन ऐसा है कि बोर्ड और चयनकर्ताओं ने भी हस्तक्षेप नहीं किया। टीम को शिद्दत से खेलने दिया गया। 2023 में एकदिनी क्रिकेट के विश्व कप का फाइनल हारने के बावजूद रोहित शर्मा की कप्तानी पर भरोसा किया गया। बहरहाल टीम इंडिया ऐसी इकलौती टीम है, जिसने एकदिनी विश्व कप, टी-20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी 2-2 बार जीते हैं। नतीजतन टीम इंडिया टी-20 की भी विश्व में 'नंबर वन' टीम है। एक दौर था, जब हम ऐसी 'सर्वोच्चता' की कल्पना भी नहीं कर सकते थे। आज से 13 साल पहले 2011 में टीम इंडिया ने दूसरी बार एकदिनी क्रिकेट का विश्व खिताब जीता था। अब भारत में कपिलदेव, महेंद्र सिंह धोनी, रोहित शर्मा सरीखे विश्व विजेता कप्तान हैं। अब नई, युवा पीढ़ी इस करिश्माई उपलब्धि का सिलसिला बरकरार रखेगी। चूंकि विश्व विजयी होने के तुरंत बाद विराट कोहली ने 'अंतरराष्ट्रीय टी-20 क्रिकेट' से संन्यास की घोषणा कर दी है और 2026 के अगले टी-20 विश्व कप तक रोहित शर्मा की उम्र भी 39 साल हो जाएगी, लिहाजा नए नेतृत्व को ढूंढने और तराशने की अहम दरकार है। भारत की बल्लेबाजी विख्यात रही है। विराट नहीं चले, तो रोहित के छक्कों ने धुएं उड़ा दिए। अब गेंदबाजी का खौफ भी फैलने लगा है। बुमराह की स्विंग का तोड़ विरोधी टीमें नहीं निकाल पा रही हैं। अर्शदीप ऐसा गेंदबाज उभरा है, जिसकी सटीक गति ने विरोधी पक्ष के पसीने छुड़ा रखे हैं। कुलदीप और अक्षर की घूमती गेंदें एक रहस्य लगती हैं। इसी विश्व कप के दौरान टीम इंडिया ने गत चैंपियन इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया की टीमों को पटखनी दी है, उसे समूचे विश्व के क्रिकेट प्रेमियों ने देखा होगा और सराहा भी होगा। विश्व चैंपियन बनने की 'गुरु दक्षिणा' मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को दी गई है, क्योंकि इसी प्रतियोगिता के साथ उनका दौर भी समाप्त हो गया है। संभवत: गौतम गंभीर अब टीम इंडिया के नए कोच होंगे। कोहली को विदाई की सौगात भी मिली है और वह 'प्लेयर ऑफ दि मैच' भी चुने गए हैं। 'प्लेयर ऑफ दि टूर्नामेंट' का सम्मान बुमराह को दिया गया है। अब भारत लौटने पर टीम का 'नायकीय स्वागत' किया जाएगा। देश की अपेक्षा और उम्मीद रहेगी कि टीम अंतिम दौर में तनाव और दबाव के कारण फिसलना कम करे। इसका भी प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। खिलाड़ी अपने खेल में निरंतरता कायम रखने की कोशिश करें। बहरहाल सभी को ढेरों बधाइयां।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि जिन शिव-पार्वती ने कलियुग को देखकर, जगत के हित के लिए, शाबर मन्त्र समूह की रचना की, जिन मंत्रों के अक्षर बेमेल हैं, जिनका न कोई ठीक अर्थ होता है और न जप ही होता है, तथापि श्री शिवजी के प्रताप से जिनका प्रभाव प्रत्यक्ष है॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

सो उमेस मोहि पर अनुकूला। करिहिं कथा मुद मंगल मूला॥
सुमिरि सिवा सिव पाइ पसाऊ। बस्नउँ रामचरित चित चाऊ॥
वे उमापति शिवजी मुझ पर प्रसन्न होकर (श्री रामजी की) इस कथा को आनन्द और मंगल की मूल (उत्पन्न करने वाली) बनाएँगे। इस प्रकार पार्वतीजी और शिवजी दोनों का स्मरण करके और उनका प्रसाद पाकर मैं चाव भरे चित्त से श्री रामचरित्र का वर्णन करता हूँ॥
भनिति मोरि सिव कृपाँ बिभाती। ससि समाज मिलि मनहुँ सुराती॥
जे एहि कथहि सनेह समेता। कहिहहिं सुनिहहिं समुझि सचेता॥
होइहहिं राम चरन अनुरागी। कलि मल रहित सुमंगल भागी॥
मेरी कविता श्री शिवजी की कृपा से ऐसी सुशोभित होगी, जैसी तारागणों के सहित चन्द्रमा के साथ रात्रि शोभित होती है, जो इस कथा को प्रेम सहित एवं सावधानी के साथ समझ-बूझकर कहें-सुनेंगे, वे कलियुग के पापों से रहित और सुंदर कल्याण के भागी होकर श्री रामचन्द्रजी के चरणों के प्रेमी बन जाएँगे॥
दो0-सपनेहुँ साचेहुँ मोहि पर जौं हर गौरि पसाउ।
तौ फुर होउ जो कहेउँ सब भाषा भनिति प्रभाउ॥
यदि मुझ पर श्री शिवजी और पार्वतीजी की स्वप्न में भी सचमुच प्रसन्नता हो, तो मैंने इस भाषा कविता का जो प्रभाव कहा है, वह सब सच हो॥

(क्रमश:..)

बैंक खातों से लेकर क्रेडिट कार्ड बिल के भुगतान तक के बदल गये नियम

क्या आपको पता है कि एक जुलाई 2024 से बैंक के खातों से लेकर क्रेडिट कार्ड बिल पेमेंट तक के नियम बदल जाएंगे। यदि नहीं तो यह जान लीजिए कि एक जुलाई 2024 से मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी), नेशनल पेंशन स्कीम, फास्टैग पर सेवा शुल्क, क्रेडिट कार्ड बिल पेमेंट सहित कई नियमों में बदलाव लागू हो जाएंगे, जिसका आपके वित्तीय सेहत पर भी असर पड़ेगा। इसलिए इनसे निपटने के लिए अपनी प्राथमिकताएं तय कर लीजिए, ताकि आपकी जिंदगी की राह आसान हो सके।

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी) नियमों में संशोधन की घोषणा की है। जिसके मुताल्लिक नए मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी नियम के तहत ट्राई ने यूनिक पोर्टिंग कोड जारी करने के लिए सात दिन की प्रतीक्षा अवधि शुरू की है।

एनपीएस में सौदे वाले दिन ही होगा निपटान

पहला बदलाव यह हुआ है कि पेंशन कोष विनियामक एवं विकास प्राधिकरण ने एक जुलाई 2024 से राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के अंशधारकों के लिए सौदे वाले दिन ही निपटान की अनुमति दे दी है। कहने का तातपर्य यह कि दिन विशेष को सुबह 11 बजे तक ट्रस्टी बैंक द्वारा प्राप्त एनपीएस अंशदान उसी दिन निवेश किया जाएगा और ग्राहकों को भी उसी दिन से एनएवी का लाभ मिलेगा। गौरतलब है कि अब तक ट्रस्टी बैंक द्वारा प्राप्त योगदान का निपटान अगले दिन (टी+1) किया जाता है, जो कि 1 जुलाई से नहीं हो पाएगा।

एमएनपी नीति में हुआ बदलाव, बढ़ा सात दिन का इंतजार

दूसरा बदलाव यह हुआ है कि भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी) नियमों में संशोधन की घोषणा की है। जिसके मुताल्लिक नए मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी नियम के तहत ट्राई ने यूनिक पोर्टिंग कोड जारी करने के लिए सात दिन की प्रतीक्षा अवधि शुरू की है। कहने का तातपर्य यह कि यदि आपका सिम किसी कारण वश खोता है या फिर चोरी चला जाता है तो आपको तुरंत नया नम्बर नहीं मिलेगा। बल्कि इसके लिए किसी भी व्यक्ति को अब सात दिन का इंतजार करना होगा। विभाग का कहना है कि इस नए प्रावधान का उद्देश्य सिम स्वैप तकनीक का इस्तेमाल कर हो रही धोखाधड़ी को रोकना है। उम्मीद है कि ऐसा होने से मोबाइल सिम धोखाधड़ी में कमी आएगी।

अब भारत बिल पेमेंट सिस्टम के जरिए होगा क्रेडिट कार्ड बिल पेमेंट

तीसरा बदलाव यह हुआ है कि आरबीआई ने एक जुलाई 2024 से क्रेडिट कार्ड के बिल पेमेंट को लेकर नया नियम लागू किया है। जिसके मुताबिक अब एक जुलाई से सभी क्रेडिट कार्ड बिल पेमेंट भारत बिल पेमेंट सिस्टम (बीबीपीएस) के जरिये हो सकेंगे। इसका उद्देश्य पेमेंट के प्रोसेस को सुव्यवस्थित करना और इसकी सुरक्षा को बढ़ाना है। हालांकि सभी बैंकों ने अभी तक इसे लागू नहीं किया है। फिर भी नया प्रावधान लागू होते ही सभी बैंकों पर मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ेगा और वो इसे जल्द अपनाने को बाध्य हो जाएंगे।

फास्टैग पर बढ़ेगा सेवा शुल्क का बोझ

चौथा बदलाव यह हुआ है कि फास्टैग उपलब्ध कराने वाली बैंकिंग कम्पनियों ने एक जुलाई 2024 से नए शुल्क लगाने का फैसला लिया है। जिसके मुताबिक अब उपभोक्ताओं को तीन महीने में टैग मैनेजमेंट, खाते में पैसा कम होने, भुगतान विवरण निकालने जैसे शुल्क अदा करने होंगे। चर्चा है कि इससे लाभुकों पर बोझ बढ़ेगा।

महंगा होगा मोबाइल रिचार्ज

पांचवां बदलाव यह हुआ है कि आगामी 1 जुलाई 2024 से मोबाइल रिचार्ज भी महंगा हो जाएगा। इसी के मद्देनजर जियो, एयरटेल तथा वोडाफोन जैसी टेलिकॉम कम्पनियों ने अपने-अपने मोबाइल टैरिफ में बदलाव की घोषणा की है, जो जुलाई के पहले हफ्ते से ही ये लागू हो जाएंगे। इससे उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त भार पड़ेगा, जिसका असर मोबाइल उपयोग ग्राहक संख्या पर भी दृष्टिगोचर हो सकता है।

पीएनबी बंद करेगा खाता

छठा बदलाव यह हुआ है कि पीएनबी ने सालों से निष्क्रिय अपने ग्राहकों के बैंक खातों को अब बंद करने का फैसला किया है। जिसके दृष्टिगत यह तय हुआ है कि बीते तीन साल में बिना लेन-देन के ही चलने वाले सभी खाते बन्द कर दिए जाएंगे। हालांकि, बैंक ने 30 जून 2024 तक केवाईसी कराने वालों को इससे छूट दी थी। जिसकी अवधि आज ही समाप्त हो जाएगी और कल 1 जुलाई से नया नियम लागू हो जाएगा।

- कमलेश पांडेय
वरिष्ठ पत्रकार व स्तम्भकार

अवधेश के सहारे सपा देगी बीजेपी के हिंदुत्व को चुनौती

सपा लोकसभा सीट से सपा की जीत को एक बड़ा सियासी मुद्दा बनाने का हर जतन कर रही है। जाने-अंजाने वह बीजेपी से लड़ते-लड़ते प्रभु श्रीराम को 'चुनौती' देने लगी हैं। सपा सांसद धमेन्द्र यादव का वह कृत्य कैसे भुलाया जा सकता है जब संसद के भीतर वह अयोध्या से विजय हुए अवधेश प्रसाद की शान में 'जय अवधेश' के नारे लगाते हैं। वह कहीं न कहीं ऐसा करके जय श्री राम के समानांतर अवधेश प्रसाद को खड़ा दिखाने की साजिश कर रहे थे। इतना नहीं सपा द्वारा सांसद अवधेश को अयोध्या का राजा बताया जा रहा था, जबकि समाजवादी जानते हैं कि अयोध्या के राजा प्रभु श्री राम थे।

यह बात आज तक निर्विवाद सत्य है। इसी तरह उनको सपा संसद में सबसे आगे की कुर्सी पर बैठाती है, जबकि समाजवादी पार्टी के अन्य दो-तीन बार तक के सांसद अवधेश प्रसाद के पीछे की कुर्सियों पर बैठे नजर आते हैं। हालात यह है कि अब तो विपक्ष अवधेश प्रसाद को डिप्टी स्पीकर का चुनाव लड़ाने की भी बात कहने लगा है,जबकि वह पहली बार लोकसभा चुनाव जीत कर आये हैं। ऐसा लगता कि अयोध्या को समाजवादी पार्टी ने अपने चुनावी एजेडे में शामिल कर लिया है। ऐसा करके वह बीजेपी के हिन्दुत्व कार्ड को चुनौती तो अपने पीडीए वाले एजेंडे को आगे बढ़ाना चाहते हैं।

अवधेश दलित समाज से आते हैं,इसके जरिये भी वह दलितों को बड़ा संदेश देना चाहते हैं। यह सिलसिला फिलहाल थमने वाला नहीं लगता है। अभी दस सीटों पर विधान सभा चुनाव होने हैं। सपा देखना चाहती है कि इसका उसे चुनाव में कितना फायदा मिलेगा। यदि उप चुनाव में भी सपा का प्रदर्शन बेहतर रहा हो वह 2027 के विधान सभा चुनाव तक अपने इसी एजेंडे को आगे बढ़ा सकता है।

ऐसा इसलिये हो रहा है क्योंकि विपक्षी नेताओं की आपसी चर्चा में लोकसभा के डिप्टी स्पीकर पद के लिए अवधेश प्रसाद के नाम पर बेझिझक सहमति की सबसे बड़ी वजह है कि आइएनडीआइए फैजाबाद में भाजपा की हार को देश की रणनीति के लिए एक बड़ा निर्णायक संदेश मान रहा है। कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दल कह चुके हैं कि अयोध्या से जुड़े फैजाबाद में सपा के अवधेश प्रसाद की जीत भाजपा के वैचारिक धारा की शिकस्त का बड़ा संदेश है। इस अनारक्षित लोकसभा सीट पर दलित समुदाय से आने वाले अवधेश प्रसाद ने भाजपा को पराजित किया है। फैजाबाद के सांसद को राजनीतिक अहमियत देने का संदेश तो 18 वीं लोकसभा की पहली बैठक में ही दे दिया गया था। जब अखिलेश अपने एक हाथ में संविधान और दूसरे हाथ से अवधेश प्रसाद को थामे सदन में पहुंचे। राहुल गांधी ने भी अवधेश प्रसाद को उसी दिन से विपक्ष के प्रमुख चेहरों में रखने का संदेश देते हुए उन्हें पहली पंक्ति में अपने साथ बिठाते हुए चर्चा की।

राहुल ने अखिलेश से बातचीत में अवधेश को डिप्टी स्पीकर बनाने का प्रस्ताव रखा, जिस पर सपा प्रमुख ने सहर्ष हामी भरी। इसके बाद जब राहुल की अखिलेश और अभिषेक से एक साथ मंत्रणा हुई तो टीएमसी नेता ममता बनर्जी, शरद पवार व एमके स्टालिन ने भी उनके नाम पर सहमति जता दी। विपक्ष की ओर से डिप्टी स्पीकर के लिए उम्मीदवार का औपचारिक ऐलान तभी होगा जब सरकार चुनाव कराने की घोषणा करेगी। संसद सत्र में तीन दिन बचे है। आईएनडीआईए का कहना है डिप्टी स्पीकर का पद परंपरागत रूप से विपक्ष को दिया जाता है, जैसे वाजपेयी के कार्यकाल में कांग्रेस के पीएम सईद को डिप्टी स्पीकर बनाया गया।

दरअसल, विपक्ष डिप्टी स्पीकर पद पर परंपरागत रूप से अपनी स्वाभाविक दावेदारी मान रहा है पर एनडीए सरकार तैयार नहीं हुई तो फिर चुनाव की स्थिति में भी अवधेश प्रसाद ही विपक्ष के संयुक्त उम्मीदवार के रूप में उतरेंगे। कांग्रेस सूत्रों ने डिप्टी स्पीकर पद के लिए शीर्ष विपक्षी नेताओं के बीच अनौपचारिक बातचीत होने का संकेत देते हुए कहा कि लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी की सपा प्रमुख अखिलेश यादव और टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी संग इसको लेकर चर्चा की थी।

-अजय कुमार

राशिफल

आषाढ़ कृष्ण पक्ष : एकादशी | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
स्वास्थ्य की स्थिति पहले से बेहतर होगी। धन का आवक बढ़ेगा। प्रेम की स्थिति सुदृढ़ होगी।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
चली आ रही परेशानी दूर होगी। स्वास्थ्य पहले से बेहतर होगा। प्रेम-संतान का साथ होगा। व्यापार भी बहुत अच्छा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
खर्च की अधिकता मन को परेशान करेगी। स्वास्थ्य थोड़ा नरम-गरम रहेगा। प्रेम संतान ठीक रहेगा, व्यापार भी अच्छा है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
रुका हुआ धन वापस आएगा। आय के नवीन साधन बनेंगे। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। आय में सुधार होगा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम-संतान अच्छा है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
यात्रा में लाभ होगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम, संतान, व्यापार सबकुछ बहुत अच्छा है।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
महत्वपूर्ण कार्य दोपहर से पहले निपटा लें, इसके बाद समय खराब हो जाएगा। चोट-चपेट लग सकती है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। नौकरी-चाकरी की स्थिति अच्छी रहेगी।

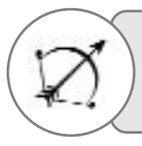

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम संतान की स्थिति अच्छी है। व्यापार अच्छा है। लेकिन थोड़ी परेशानी बनी रहेगी।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
भावुकता पर काबू रखें। स्वास्थ्य करीब-करीब ठीक है। प्रेम संतान की स्थिति थोड़ी मध्यम रहेगी लेकिन खराब नहीं रहेगी।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
भौतिक सुख-संपदा में वृद्धि होगी। प्रेम कलह के संकेत हैं लेकिन कुछ अच्छा माहौल भी रहेगा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। अपनों का साथ होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम संतान का साथ।

छुट्टी के बाद स्कूल पहुंचे छात्रों का लगाया रोली टीका

'स्कूल चलो अभियान' का दूसरा चरण शुरू

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश पर 'स्कूल चलो अभियान' का दूसरा चरण प्रारंभ हो गया है। जनपद के समस्त 511 परिषदीय विद्यालयों में विद्यालय के सभी शिक्षक, शिक्षामित्र एवं अनुदेशकों द्वारा एक उत्सव का रूप देते हुए विद्यालयों को फूल, पत्ती, रंगोली एवं गुब्बारों आदि से सजाया गया तथा विद्यालय आने वाले बच्चों को रोली टीका लगाकर स्वागत किया गया।

जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने कंपोजिट विद्यालय सेक्टर-12 नोएडा पहुंचकर 'स्कूल चलो अभियान' का शुभारंभ किया। उन्होंने विद्यालय आने वाले बच्चों को रोली टीका लगाकर उनका स्वागत करते हुए बच्चों को रुचिकर भोजन खीर, हलवा आदि का वितरण किया। उन्होंने बच्चों से पूछा कि वह भविष्य में क्या बनना चाहते हैं और उसी के अनुसार उनका मार्गदर्शन किया। उन्होंने इस अवसर पर अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि परिषदीय विद्यालय में अपने बच्चों का नामांकन कराते हुए उनको नियमित विद्यालय भेजें। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने विद्यालय परिसर में पौधारोपण भी किया।

मुख्य विकास अधिकारी जनार्दन सिंह ने प्राथमिक विद्यालय मलकपुर में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेकर नव प्रवेशित बच्चों का रोली टीका लगाकर स्वागत किया। बच्चों व शिक्षकों को स्कूल चलो अभियान को सफल बनाए जाने हेतु प्रोत्साहित किया।

जिलाधिकारी के निर्देश पर जनपद के 61 जनपद स्तरीय, ब्लॉक स्तरीय अधिकारी, जिला समन्वयक, डायट मेण्टर, एस.आर.जी. व ए.आर.पी. द्वारा आवंटित विद्यालय में पहुंच कर नवप्रवेशित बच्चों का स्वागत करते हुए उनको प्रतिदिन स्कूल आने के लिए प्रेरित किया।

सपा कार्यकर्ताओं ने मनाया अखिलेश यादव का जन्मदिन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का जन्मदिन सूरजपुर स्थित पार्टी कार्यालय पर धूमधाम एवं हर्सोल्लास के साथ मनाया। जन्मदिन की खुशी में सपा कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी के नेतृत्व में केक काटा तथा फल और मिष्ठान का वितरण किया। इस मौके पर सभी कार्यकर्ताओं ने उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की। राष्ट्रीय अध्यक्ष के जन्मदिन के उपलक्ष्य में सपा कार्यकर्ताओ ने वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी ने कहा कि मृदु स्वभाव के धनी अखिलेश यादव देश के लोकप्रिय जमीनी नेता है। उनकी कार्यशैली से सभी लोग प्रभावित है। उनके कुशल नेतृत्व के कारण आज समाजवादी पार्टी देश की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी है। उनके मुख्यमंत्री रहते हुए उत्तर प्रदेश के विकास को गति मिली थी और प्रदेश ने विकास के मामले में नए आयाम स्थापित किये थे। उन्होंने समाजवादी पेंशन, कन्या विद्याधन, लैपटॉप वितरण, मुफ्त दवाई,

मुफ्त सिंचाई, कामधेनु योजना, लोहिया आवास, कृषक दुर्घटना बीमा, डायल 100 आदि जनहित की अनेक योजना चलाई थी, जिसका लाभ सभी वर्गों के लोगों बिना किसी भेदभाव के मिला था। हम सभी कार्यकर्ताओं को उनके जन्मदिन पर उनकी नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लेना चाहिये।

इस मौके पर मुख्य रूप से राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी, महेंद्र नागर, बीर सिंह यादव, फकीर चंद नागर, इन्दर प्रधान, गजराज नागर, नरेन्द्र नागर, यूनुस प्रधान, सुनील देवटा, सुधीर तोमर, ओरंगजेब चेयरमैन, राम शरण नागर, मनोज भाटी एडवोकेट, परमेन्द्र भाटी एडवोकेट, कृष्णा चौहान, सुरेन्द्र नागर, श्याम सिंह भाटी, रोहित मत्ते गुर्जर, सुनीता यादव, राजेश रोही, मोहित यादव, लोकेश जनमेदा, शैलेन्द्र भाटी, राकेश गौतम, देवेंद्र टाइगर, नवीन भाटी, सुनील भाटी, अवनीश भाटी, विकास भनौता, नीरज भाटी एडवोकेट, सुदेश भाटी, अजय चौधरी, डॉ शशि यादव, अब्दुल हमीद, हरवीर प्रधान, राहुल आर्यन, हैप्पी पंडित, सतेंद्र नागर, दीपक नागर, मोहित नागर, लोकेश भाटी, अनीस अहमद, जाकिर मुनिरी, विनीत कुमार यादव, संदीप नागर पाटिल, अमन नागर, सुमित पंडित, प्रवीण भाटी, जितेंद्र अग्रवाल, नवाब कुरैशी, रविन्द्र यादव, अलीम सलमानी, मोहित यादव, हरेन्द्र भाटी, प्रशांत भाटी, महेश चंद, अकबर खान, प्रतीक भाटी, विनय कुमार शर्मा, सनी प्रजापति, सलीम राव, वकील सिद्दकी, यशपाल भाटी, लखन सिंह जाटव, कुलदीप भाटी, शाहरुख़ चौधरी, जीतेन्द्र प्रजापति, मुरारी लाल गौतम, दिगंबर गौतम, उपेंद्र यादव, बालेश्वर, मेराजूउद्दीन उस्मानी, रोहन गौतम, सईद अल्वी, आदि मौजूद रहे।

रोटरी क्लब ग्रेटर नोएडा ने वृद्ध आश्रम में लगाये कूलर

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। रोटरी क्लब के अध्यक्ष विकास गर्ग ने बताया रोटरी वर्ष 2024-25 के प्रथम दिन नॉलेज पार्क 2 इस्थित रामलाल वृद्ध आश्रम में रह रहे लोगों के लिए रोटरी क्लब के सदस्यों के सहयोग से 6 कूलर व दवाई का वितरण किया गया। वृद्ध आश्रम में रह रहे लोगों ने रोटरी क्लब के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में विकास गर्ग ,कपिल गुप्ता , मुकुल गोयल , विनय गुप्ता , कपिल शर्मा , शुभम सिंघल , मोहित बंसल ,कपिल गर्ग, राकेश शर्मा ,अशोक सेमवाल , मनीष मित्तल व् रामलाल वृद्धआश्रम व् गौशाला के अध्यक्ष शिव प्रकाश शर्मा उपस्थित रहे ।

प्रदेश के विधानसभा के उपचुनाव में इण्डिया गठबंधन की होगी जीत : खान

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। समाजवादी पार्टी अल्पसंख्यक सभा के प्रदेश सचिव चौधरी हसरुद्दीन खान राजपूत ने जारी अपने बयान में कहा है कि उत्तर प्रदेश में होने जा रहे 10 विधानसभा के उपचुनाव में इंडिया गठबंधन एवं सपा प्रत्याशियों की एक बार फिर ऐतिहासिक जीत होने जा रही है। उन्होंने कहा कि 10 विधानसभाओं के उपचुनाव में इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी मजबूती से चुनावी समर में उतरकर सरकार के खिलाफ जनता को लाम बंद करने के अभियान में जुट गए हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की केंद्र एवं प्रदेश सरकार विकास एवं अन्य मुद्दे पर फेल रही है।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश एवं केंद्र में सरकार की गलत नीतियों के कारण ही आज परीक्षाओं के पेपर लीक दर लीक हो रहे हैं। लेकिन सरकार उस पर अंकुश लगा पाने में पूरी तरह से विफल है। उन्होंने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के जन्मदिन पर बधाई देते हुए कहा कि अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी तेजी के साथ मजबूत हुई है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव ने पार्टी कार्यकर्ताओं को जो सम्मान करते हैं वह अन्य पार्टी में कोई नहीं कर सकता है। उन्होंने अखिलेश यादव की प्रशंसा करते हुए कहा कि आज अखिलेश यादव की बदौलत ही भारतीय जनता पार्टी को केंद्र में पूर्ण बहुमत पाने से रोका जा सका है।

'आगाज' म्यूज़िकनेक्ट में जुटे दिग्गज

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। प्रमुख फिनटेक इनोवेटर, पेयोमेटिक्स ने क्राउन प्लाजा में 'आगाज' म्यूज़िकनेक्ट कार्यक्रम का आयोजन किया। इस

कार्यक्रम में उद्योग जगत, राजनेताओं और पेशेवरों को आकर्षित किया।

'आगाज' म्यूज़िकनेक्ट ने व्यापार नेटवर्किंग को मनोरंजन के साथ जोड़ते हुए प्रसिद्ध कलाकार अभिजीत सावंत के विशेष प्रदर्शन को प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम ने एडटेक, फिनटेक, ट्रैवल और ई-कॉमर्स सहित विभिन्न क्षेत्रों के पेशेवरों के लिए एक मंच प्रदान किया।

कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री व स्थानीय सांसद डॉ. महेश शर्मा, आर.जे. नितिन खुराफाती, इंडिया ब्लॉकचेन एलायंस के संस्थापक राज कपूर, उदयन केयर की संस्थापक डॉ. किरण मोदी और प्रील्यूड पब्लिक स्कूल के निदेशक सुशील चंद गुप्ता शामिल रहे, इसी के साथ Yatra.com, IAM Travel Agent.com, येस बैंक, आरबीएल बैंक, आईबीए- इंडिया ब्लॉकचेन एलायंस और जुआरी इन्वेस्टमेंट्स जैसे प्रमुख उद्योग भागीदारों और सहयोगियों की भागीदारी भी रही।

कार्यक्रम में पेयोमेटिक्स के नए लोगो का अनावरण किया गया और रुचि राठौर द्वारा एंपावर्ड वूमेन फाउंडेशन की शुरुआत की गई।

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!
महत्वपूर्ण जानकारी
विशेष रेलगाड़ी की सेवा अवधि का विस्तार
रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन के लिए उत्तर रेलवे द्वारा चलाई जा रही निम्नलिखित रेलगाड़ी की समय-सारणी में संशोधन किया गया है, साथ ही इसके संचालन अवधि में बढ़ोतरी की जा रही है एवं डिब्बों के संयोजन में परिवर्तन किया गया है, विवरण निम्नानुसार है :-

04075/04076 नई दिल्ली - श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा - नई दिल्ली आरक्षित स्पेशल एक्सप्रेस

रेलगाड़ी सं. 04075 आगमन	रेलगाड़ी सं. 04075 प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04076 आगमन	रेलगाड़ी सं. 04076 प्रस्थान
--	23:45	नई दिल्ली	09:30	–
00:26	00:28	सोनीपत	07:50	07:52
00:58	01:00	पानीपत	07:10	07:12
01:25	01:27	करनाल	06:37	06:39
01:50	01:52	कुरुक्षेत्र जं.	06:10	06:12
02:30	02:40	अम्बाला कैंट	05:25	05:35
04:06	04:16	ढंडारी कलां	04:05	04:10
05:26	05:28	जलंधर कैंट	02:38	0243
07:15	07:20	पठानकोट कैंट	00:40	00:45
09:15	09:25	जम्मू तवी	21:45	21:55
11:08	11:10	शहीद कप्तान तुषार महाजन	20:48	20:50
11:40	–	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	--	20:20

चलने की तिथि: 04075 नई दिल्ली से दिनांक 03.07.2024 से 31.07.2024 तक और 04076 श्री माता वैष्णों देवी कटड़ा से दिनांक 04.07.2024 से 01.08.2024 तक।
संशोधित स्थान : 2 टियर वाता, 3 टियर वाता. , शयनयान एवं सामान्य।

विस्तृत जानकारी के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 डायल करें अथवा रेलगाड़ी पूछताछ वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in देखें ।
1991/24
रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139
रेलमदद वेबसाइट देखें :- www.railmadad.indianrailways.gov.in
रेलमदद ऐप डाउनलोड करें
पर हमें फॉलो करें
आज़ादी का अमृत महोत्सव
उत्तर रेलवे सदैव आपकी सेवा में
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

किसान सभा ने सौंपा ज्ञापन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। किसान सभा के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट पर दादूपुर गांव के ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे में अधिग्रहण से प्रभावित किसानों ने धरना प्रदर्शन कर डीएम को संबोधित ज्ञापन सौंपा।

जिसमें 10 प्रतिशत आबादी प्लांट नए कानून को लागू करने और आबादियों को छोड़ने की मांग प्रमुख रूप से रखी जाएगी और मांग की जाएगी की ठाकुर जयवीर सिंह की कमेटी की भांति हाई पावर कमेटी किसानों की उक्त मांगों को पूरी करने के संबंध में सरकार को सिफारिश दे। आज के धरना प्रदर्शन प्रेस कॉन्फ्रेंस में अजब सिंह नेताजी मनोज भाटी नितिन चौहान जोगिंदर प्रधान ब्रह्म सिंह भाटी दुष्यंत सेन सुरेश यादव विजय यादव, गुरप्रीत एडवोकेट ओम दत्त शर्मा जी उपस्थित रहे।

एशिया चौपियन शिप में जेवर के जमालपुर गांव निवासी जोंटी भाटी ने स्वर्ण पदक जीता इस मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता मनोज चौधरी ने जोंटी भाटी को गदा देकर सम्मानित किया।

चार एक्सप्रेस-वे पर मिलेगी ई-व्हीकल चार्जिंग की सुविधा

अडाणी टोटल एनर्जी ई-मोबिलिटी लिमिटेड को सौंपी निर्माण की जिम्मेदारी

एजेंसी

लखनऊ। यूपी की योगी आदित्यनाथ की सरकार ईवी को प्रमोट कर रही है। ईवी की संख्या में इजाफा को देखते हुए चार्जिंग स्टेशनों को लेकर भी सरकार गंभीर है। अब यूपी के एक्सप्रेस-वे पर ई-व्हीकल के लिए चार्जिंग सुविधाओं को बढ़ा जा रहा है। प्रदेश के चार प्रमुख एक्सप्रेस-वे पर चार्जिंग स्टेशन बनाने की योजना बनाई है। यूपी के आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे, पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे, बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे और गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे पर 26 चार्जिंग स्टेशन बनाने की योजना है। यूपी ईवी पॉलिसी 2022 के तहत प्रदेश के प्रमुख एक्सप्रेस-वे पर नए चार्जिंग स्टेशनों को स्थापित किया जा रहा है। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे, बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे और गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे पर 14 जनसुविधा परिसरों का भी निर्माण किया जाएगा जिससे यहां से गुजरने वाले वाहनों को राहत मिलेगी। साथ ही, ईवी बसों को भी लंबी दूरी के मार्गों पर चलाया जाएगा। इससे परंपरागत इंधन पर निर्भरता को कम किया जा सकेगा। यूपी के चार प्रमुख एक्सप्रेस-वे पर चार्जिंग स्टेशन बनाए जाएंगे। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर आठ नए चार्जिंग स्टेशन बनेंगे। वहीं 341 किलोमीटर लंबे पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे और 296 किलोमीटर लंबे बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे पर भी 8-8 नए चार्जिंग स्टेशन बनाए जाएंगे। 91 किलोमीटर लंबे गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे पर दो ईवी चार्जिंग स्टेशन बनाने की योजना है। एक्सप्रेस-वे पर ईवी चार्जिंग स्टेशनों के निर्माण के लिए एजेंसी का चयन कर लिया है। मेसर्स अडाणी टोटल एनर्जी ई-मोबिलिटी लिमिटेड को निर्माण की जिम्मेदारी दी गई है। वाहनों के चार्जिंग के रेट को भी जल्द तय किया जाएगा। इसके अलावा चारों एक्सप्रेस-वे पर 14 जनसुविधा केंद्रों के निर्माण का कार्य किया जा रहा है। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे पर दो जनसुविधा परिसर का पीपीपी मॉडल पर विकास के लिए भारत पेट्रोलियम लिमिटेड का चयन किया गया है। अन्य 12 परिसरों का विकास ईपीसी मॉडल पर यूपीडा की ओर से कराया जाना है।

मोबाइल की जगह शीशे का टुकड़ा बेचने वाला पकड़ा

नोएडा (चेतना मंच)। मजबूरी बताकर मोबाइल फोन बेचने के नाम पर शीशे का टुकड़ा थमाने वाले गिरोह के एक सदस्य को थाना सेक्टर-63 पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस इसके दूसरे साथी की तलाश कर रही है।

थाना प्रभारी अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि महंगा फोन बेचने के बहाने लोगों को कांच का टुकड़ा थमाने वाले गिरोह का एक सदस्य किसी वारदात को अंजाम देने के इरादे से एच ब्लॉक में खड़ा हुआ है। सूचना के आधार पर पुलिस ने छापा मारकर जीशान पुत्र इकरामुद्दीन निवासी लोहिया नगर मेरठ को गिरफ्तार कर लिया। इसके पास से एक मोबाइल फोन चाकू व तीन मोबाइल के आकार में कटे हुए कांच के टुकड़े बरामद हुए। पकड़े गए जीशान ने बताया कि वह लोगों को अपनी मजबूरी बताकर अपना महंगा एप्पल फोन सस्ते में देने का ऑफर देता था। पैसे लेने के बाद वह बड़ी चालाकी से एप्पल फोन की जगह कवर में बंद कांच के टुकड़े को थमा कर फरार हो जाता था। पकड़े गए जीशान ने अपने साथी के साथ इस तरह की दर्जनों घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया है।

ट्रेन की चपेट में आकर युवक मरा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दादरी क्षेत्र के दादरी रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। दादरी थाना प्रभारी सुजीत उपाध्याय ने बताया कि रेलवे कर्मियों ने सूचना दी कि रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान कराई तो उसकी शिनाख्त दादरी की टीचर कॉलोनी में रहने वाले रॉबिन पुत्र महेंद्र सिंह के रूप में हुई। युवक की पहचान होने पर उसके परिजनों को हादसे की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि इस बात की जांच की जा रही है कि युवक दुर्घटनावश ट्रेन की चपेट में आया अथवा उसने आत्महत्या की गई है। हालांकि मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। ऐसे में पुलिस दुर्घटना में मौत होने की संभावना जता रही है।

भाजपा नेता को दी धमकी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। कुलीपुरा निवासी एवं भारतीय जनता पार्टी के नेता मोहित भाटी को जान से मारने की धमकी दी गई है। बताया जाता है कि कुलीपुरा निवासी एवं भाजपा के बूथ अध्यक्ष मोहित भाटी अपने गांव में ही पानी का व्यवसाय करते हैं। उन्होंने पुलिस में दी शिकायत में बताया कि कुछ लोग मेरे काम को बंद कराने की साजिश कर रहे हैं और मुझे जान से मारने की धमकी दी जा रही है। पुलिस को दिए पत्र में उन्होंने मामले की जांच करने एवं दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा है कि यदि मुझे यहां से न्याय नहीं मिला तो हम उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिकायत करेंगे। पुलिस ने शिकायती पत्र लेकर जांच प्रारंभ कर दी है।

ईनामी गैंगस्टर गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-63 पुलिस ने 5 हजार रुपए के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी गैंगस्टर एक्ट में पिछले काफी समय से वांछित चल रहा था। थाना प्रभारी अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि मुखबिर की सूचना के आधार पर सेक्टर-63 के एच ब्लॉक से रजनीश पुत्र संजीव झा निवासी सोनिया विहार दिल्ली को गिरफ्तार किया गया। रजनीश के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत मामला दर्ज था लगातार फरार चलने के कारण उसे पर ?5000 का इनाम घोषित था। उन्होंने बताया कि पकड़ा गया आरोपी लोन एप के माध्यम से लोन लेने वाले लोगों को ब्लैकमेल करने का काम करता था यह लोन की एवज में अतिरिक्त पैसे की मांग करता था। लोगों द्वारा पैसे ना देने पर यह उनके एडिट फोटो भेजकर उन्हें ब्लैकमेल करता था।

वृद्ध की जेब से नगदी चोरी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। रबूपुरा कस्बे में शरबत पी रहे वृद्ध की जेब से एक व्यक्ति ने 12 हजार रुपए चोरी कर लिए। पीड़ित ने थाने में अज्ञात चोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

मोहल्ला गांधीनगर रबूपुरा निवासी अल्लाबख्श ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि वह सुरेंद्र के यहां काम करता है। 22 जून की दोपहर को वह सुरेंद्र की कस्बे में बनी दुकानों का किराया लेकर जा रहा था। सर्व यूपी ग्रामीण बैंक के पास कुछ लोग शरबत बांट रहे थे। वह भी शरबत पीने लगा। इस दौरान एक व्यक्ति उसके पास आया और 500 रूपये के खुले मांगने लगा उसने जब खुले पैसे होने से इनकार किया तो उक्त व्यक्ति ने उसे अपनी बातों में उलझा लिया और उसकी जेब में हाथ डालकर 12000 रूपये निकाल लिए। कुछ देर बाद उसे पैसे निकालने का एहसास हुआ। इसके बाद उसने उक्त व्यक्ति की तलाश की लेकिन इसका कोई पता नहीं चला।

किशोरी को भगा ले गया किरायेदार

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुधनगर कमिश्नरेट के दो थाना क्षेत्रों से दो किशोरियां संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। किशोरियों के परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज किया है। थाना एक्सप्रेस-वे के छपरौली गांव में किराए पर रहने वाले मुकेश ने बताया कि उनकी (16 वर्षीय) बेटी 28 जून की शाम को संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। उसने जब अपनी बेटी की तलाश की तो पता चला कि उसके घर के सामने किराए पर रहने वाला बादल पुत्र धर्मवीर उसकी नाबालिक बेटी को बहला फुसलाकर भगा ले गया है। उन्होंने अपनी बेटी व बादल की तलाश की लेकिन उनका कोई पता नहीं चला। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी बादल के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज किया है। वहीं थाना सेक्टर-49 में दिल्ली निवासी रमेश ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसकी (14 वर्षीय) बेटी 17 जून को दिल्ली से अपनी बुआ के घर सेक्टर-50 आई थी। 29 जून की शाम को वह घर से बाजार जाने के लिए निकली थी इसके बाद वह वापस नहीं लौटी। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। पुलिस किशोरियों की तलाश कर रही है।

तलाक के पेपर पर साइन ना किए तो जान से मार डालूंगा

नोएडा (चेतना मंच)। प्रेमिका के साथ शादी करने के चक्कर में एक पति अपनी पत्नी को प्रताड़ित कर रहा है। विवाहिता का आरोप है कि पति ने उसे धमकी दी है कि अगर उसने तलाक के पेपर पर साइन नहीं किया तो उसे जान से मार देगा। महिला का आरोप है कि उसका पति उसके साथ जबरदस्ती अप्राकृतिक संबंध भी बनाता है। पीड़िता ने थाना बीटा-2 में अपने पति व ससुराल वालों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है।

बीटा सेक्टर की रहने वाली पूजा (काल्पनिक नाम) ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि उसकी शादी होडल हरियाणा निवासी मनीष के साथ 13 दिसंबर 2017 को हुई थी। शादी के कुछ दिनों बाद ही मनीष ने उस पर मायके से फॉर्च्यूनर गाड़ी, सोने की अंगूठी और चेन लाने के लिए दबाव डालना शुरू कर दिया। इस दौरान उसे पता चला कि मनीष के एक लड़की के साथ पिछले काफी समय से अवैध संबंध है। मनीष उसकी हत्या कर अपनी प्रेमिका से शादी करने की फिराक में है। पीड़िता का आरोप है कि मनीष ने कई बार तलाक के पेपर पर साइन करने के लिए उसके साथ मारपीट कर गाली-गलौज कर उसे गंभीर चोटे पहुंचाई। मारपीट की वजह से उसके गर्भ में पल रहे बच्चे की भी मौत हो गई थी।

पूजा का कहना है कि मनीष कई बार अपने पिता मनमोहन सिंह, मां राजबाला और मोहित के सामने धमकी दे चुका है कि यदि तलाक के पेपर पर साइन नहीं किया तो मौका मिलते ही उसे जान से मार देगा।

इस मामले में ससुराल वालों ने भी मनीष का ही साथ दिया। मनीष उसकी मर्जी के विरुद्ध जबरन उसके साथ अप्राकृतिक संबंध भी बनता है। पीड़िता का कहना है कि 20 जून की शाम को मनीष अपनी प्रेमिका, दो दोस्त दीपक चौधरी व देव चौधरी के साथ घर आया सभी लोगों ने उसके साथ मारपीट की। इस दौरान मनीष ने जान से करने के लिए से गंडासे से उसे पर जानलेवा वार किया। इस दौरान मनीष, उसकी प्रेमिका तथा उसके दोस्तों ने उसे धमकी दी यदि उसने तलाक के पेपर पर साइन नहीं किया तो उसे जान से मार दिया जाएगा। उसने इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने उसका डाक्टरी परीक्षण कराया जिसमें उसके गंभीर चोटे आई हैं। पीड़िता का कहना है कि इस घटना के बाद से उसे अपनी जान का खतरा सता रहा है। उसका पति व प्रेमिका उसकी कभी भी हत्या कर सकते हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच पड़ताल की जा रही है।

सेक्टर-40 में धड़ल्ले से अतिक्रमण व अवैध निर्माण चुप्पी साधे हैं प्राधिकरण अफसर

मुख्यमंत्री तथा अपर मुख्य सचिव को लिखा पत्र

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-40 में एक स्थानीय ठेकेदार तथा नोएडा प्राधिकरण के वर्क सर्किल-3 के चंद अफसरों की मिलीभगत से खुलेआम अतिक्रमण करके अवैध निर्माण किए जा चुके हैं तथा किए जा रहे हैं।

नोएडा प्राधिकरण के सीईओ, एसीईओ तथा वर्क सर्किल प्रभारी से सैकड़ों बार शिकायत तथा साक्ष्य देने के बाद अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है और न ही धारा-10 का नोटिस दिया गया। यह आरोप लगाये एडवोकेट संदीप सिंह ने। उन्होंने अब इसकी लिखित शिकायत मुख्यमंत्री तथा औद्योगिक विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव तथा आईडीसी मनोज कुमार सिंह को दी है।

29 जून को भेजे शिकायती पत्र में संदीप सिंह ने आरोप लगाया कि शिकायत करने पर प्राधिकरण अतिक्रमण करने वालों पर कोई कार्रवाई न करके उसके एफ-64/सी-13/ प्लॉट नं0 301 फ्लैट पर ही कथित अतिक्रमण के नाम पर कार्रवाई कर देता है। उनका कहना है कि प्लॉट नं0 303 तथा 305 ने सड़क पर पिलर बनाकर अवैध निर्माण कर लिया तथा अतिरिक्त कमरे बना लिये। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके अलावा 70-80 फ्लैट मालिकों ने अवैध अतिक्रमण कर निर्माण कर लिया है। एक स्थानीय ठेकेदार अमरजीत फ्लैट मालिक तथा वर्क सर्किल-3 के जेई मोहम्मद शादाब, प्रबंधक टी त्यागी आदि की सांठगांठ से धड़ल्ले से अवैध निर्माण हो रहा है। लेकिन प्राधिकरण के अधिकारी आंखों में पटटी बांधे तथा कानों में तेल डाले मौन सहमति दे रहे हैं।

बहन के ससुराल में भारी हंगामा, ईंट पत्थर से तोड़ डाली स्कॉर्पियो कार

दादरी (चेतना मंच)। दादरी के रूपवास गांव में बहन की ससुराल में पारिवारिक झगड़े को लेकर हो रही पंचायत में अचानक तनाव बढ़ गया। इस दौरान ससुराल पक्ष के लोगों ने पंचायत में आए लड़की के भाई व परिजनों पर हमला बोलकर उनके साथ मारपीट की। आरोपियों ने मायके पक्ष की स्कॉर्पियो कार पर पथराव कर उसे क्षतिग्रस्त कर दिया। मायके पक्ष की तरफ से थाना दादरी में मुकदमा दर्ज कराया गया है। ग्राम पाला निवासी दीपक भाटी ने बताया कि उनकी बहन की शादी वर्ष 2016 में ग्राम रूपवास निवासी रोहित पायला के साथ हुई थी। शादी के बाद से ही उसकी बहन के ससुराल पक्ष से विवाद चल रहा था। जिसका पंचायत के माध्यम से समझौता हो गया था। समझौते के तहत वह 30 जून की सुबह अपनी बहन को उसके ससुराल ग्राम रूपवास में छोड़ने के लिए आए थे। इस दौरान वह अपनी बहन के घर पर बैठकर उसके ससुराल वालों से बातचीत कर रहे थे। इस दौरान उसके बहनोई रोहित पायला ने उनके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। उन्होंने जब इस बात का विरोध किया तो रोहित पायला, उसके भाई अतुल, पिता भिखारी व अन्य लोगों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। दीपक भाटी के मुताबिक मारपीट के दौरान उसके भाई सुधीर, बहन मीनाक्षी, चाचा ओम कुमार, चचेरा भाई शोभित, सोहन पाल, राजन को गंभीर चोटे आई। इस दौरान रोहित पायला ने अवैध हथियार से कई फायर भी किए।

प्लॉट में मिट्टी भराव करने वाले को पीटा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बिसरख क्षेत्र के सरस्वती कुंज में अपने प्लॉट में मिट्टी का भराव कर रहे एक व्यक्ति के साथ पड़ोसियों ने गाली-गलौज व मारपीट कर घायल करने के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। मूल रूप से शशि गार्डन दिल्ली निवासी बलबीर सिंह ने बताया कि उसका सरस्वती कुंज में एक प्लॉट है। एक जुलाई को वह अपने प्लॉट में मिट्टी का भराव करवा रहा था। इस दौरान पड़ोस में रहने वाले केशव, राहुल, धीरज व इनके पिता सतीश उसके प्लॉट पर पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे। उसने जब गाली देने का विरोध किया तो आरोपियों ने उसके साथ जमकर मारपीट की। मारपीट में उसे चोटे आई। मारपीट करने के बाद पुलिस में शिकायत करने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देकर मौके से चले गए। थाना पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

पृष्ठ एक के शेष....

आरक्षण और नौकरियों...

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने एक कविता के जरिए एनडीए सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, ये उनका (भगवान राम) फैसला है, जिसकी लाठी में नहीं होती आवाज, जो करते थे किसी को लाने का वादा वो खुद हैं किसी के सहारे का लाचार, हम अयोध्या से लाए हैं उनके प्रेम का पैगाम, जो सच्चे मन से करते हैं सबका कल्याण, सदियों से जन-जन गाता है जिनका नाम, अभयदान देती है जिनकी मंद-मंद मुस्कान, मानवता के लिए जिनका उठता तीर कमान, जो असत्य पर सत्य की जीत का हो नाम, उफनती नदी पर जो बांधे मर्यादा का बांध, वो है अवध के राजा पुरुषोत्तम राम, हम अयोध्या से लेकर आए हैं प्रेम का पैगाम।

संविधान ही संजीवनी : अखिलेश

इसके अलावा अखिलेश यादव ने कहा कि संविधान ही संजीवनी है और उसकी जीत हुई है, संविधान रक्षकों की जीत हुई है। ये चलने वाली नहीं गिरने वाली सरकार है। उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश की जनता का बस यही आग्रह है जिस गंगा जल को लेकर सच कहने की कसम खाई जाती है कम से कम उस गंगा जल से तो झूठ न कहा जाए। विकास का ढिंढोरा पीटने वाले विनाश की जिम्मेदारी कब लेंगे, मंदिर की टपकती छत और रेलवे स्टेशन की गिरी दीवार ने भ्रष्टाचार की पोल खोल दी है। उन्होंने कहा हमने जो सड़कें बनाई थी उस पर हवाई जहाज उतरे थे और उत्तर प्रदेश की मुख्य नगरी पर सड़कों पर नाव उतरी है। अब और बारिश होगी तो नाव से भी चलना होगा यही स्मार्ट सिटी के जुमले का हाल है। पिछले 10 सालों की उपलब्धि बस इतनी रही की एक शिक्षा परीक्षा माफिया का जन्म हुआ।

अखिलेश यादव ने कहा कि 15 अगस्त 1947 का दिन देश की आजादी का दिन था तो चार जून सांप्रदायिक राजनीति से आजादी का दिन है। इस चुनाव ने तोड़ने वाली राजनीति को और तोड़ दिया है जबकि जोड़ने वाली राजनीति को और जोड़ा है।

उन्होंने कहा कि अब ये देश किसी की व्यक्तिगत आकांक्षा से नहीं बल्कि जन आकांक्षा से चलेगा. सरकार एक बिलियन इकोनॉमी की बात करती है लेकिन 35 फीसदी की ग्रोथ मुमकिन नहीं है। हम हंगर इंडेक्स में किस पायदान पर खड़े हैं? हम इस इंडेक्स में बहुत नीचे हैं। हम कहने को विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है लेकिन हम हैप्पी इंडेक्स में कहां हैं?

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्रीजी कहते हैं कि पांचवी बड़ी इकोनॉमी बनाएंगे लेकिन प्रति व्यक्ति आय है? उन्होंने यूपी की चर्चा करते हुए कहा कि जहां से प्रधानमंत्री जी आते हैं, वहां की सरकार कह रही है कि 3 ट्रिलियन इकोनॉमी बनाएंगे। इसके लिए 35 परसेंट ग्रोथ रेट चाहिए जो मुझे नहीं लगता कि यूपी हासिल कर पाएगा।

अखिलेश ने कहा कि अब ऊपर से नीचे की राजनीति का अंत हो गया है। अब नीचे से लोगों की आवाज उठेगी, उसी से देश चलेगा। इस चुनाव से ये पैगाम दिया गया है कि अब मनमर्जी नहीं बल्कि जनमर्जी चलेगी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र बनारस को लेकर कहा कि हम चाहते हैं कि गंगा के तल में उतरकर उसका दर्द जाना जाए।

अखिलेश यादव ने कहा कि बनारस के लोग क्योटो की फोटो लेकर उसे गंगाजी तक खोज रहे हैं। शायद गंगाजी जिस दिन साफ हो जाएंगी, उस दिन गंगाजी की गोद से क्योटो निकल आए। उन्होंने स्मार्ट सिटी को लेकर सरकार पर तंज करते हुए कहा कि बारिश की शुरुआत में ही नाव सड़कों पर आई है.। उत्तर प्रदेश की जनता का बस यही आग्रह है कि जहां विकास के नाम पर अरबों रुपयों की लूट हुई, वहां पहली बारिश में टपकती हुई छत और स्टेशन की गिर चुकी दीवार बेमानी की निशानी है। विकास का ढींढोरा पीटने वाले इस विनाश की जिम्मेदारी कब लेंगे? लोग बनारस में क्योटो खोज रहे हैं।

छत पर मिला...

देखभाल करता था और रात में छत पर सोता था। महेश कुमार की नाक से खून निकलने के निशान मिले हैं। आशंका जताई जा रही है कि महेश कुमार की हत्या की गई है।

वहीं थाना प्रभारी विद्युत गोयल का कहना है कि शव का पंचायत नाम भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारण का पता चल पाएगा। मृतक के परिजनों को हादसे की जानकारी दे दी गई है।

किशोरी सहित...

मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर थाना बादलपुर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

इसी थाना क्षेत्र के छपरौला में किराए पर रहने वाले अहमदगढ़ बुलंदशहर निवासी (19 वर्षीय) रिंकू ने अपने कमरे में फांसी लगाकर जान दे दी। रिंकू अपने जुड़वा भाई लव कुश के साथ छपरौला गांव में किराए पर ले रहा था। बीती रात्रि उसका भाई लव कुश छत पर सोने के लिए चला गया। आज सुबह जब लव कुश छत से नीचे उतरकर कमरे में आया तो उसे रिंकू फांसी के फंदे पर लटका हुआ मिला। थाना प्रभारी ने बताया कि दोनों के पास से ही कोई सुसाइड नोट नहीं मिले हैं परिजन भी आत्महत्या के पीछे का कोई ठोस कारण नहीं बता पा रहे हैं।

वहीं थाना सेक्टर 142 क्षेत्र के गुलशन केमिस्ट्री सोसायटी के पास बनी झुग्गी बस्ती में रहने वाले एक युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी। मृतक की पहचान पश्चिम बंगाल निवासी अजय दास पुत्र रामचंद्र के रूप में हुई है। अजय दास अकेला ही झुग्गी में रहता था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

वहीं थाना फेस-1 क्षेत्र के बांसबल्ली मार्किट में रहने वाला गणेश मंडल ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

जमीन और पैसों...

जान से मारने की फिराक में हैं। पीड़ित का आरोप है कि उसकी मां भी पिछले आठ माह से उसे नहीं मिली है। उसने आशंका जताई कि उसका भाई लोकेश उसकी मां के साथ में कोई अनहोनी घटना कर सकता है। थाना प्रभारी ने बताया कि यह मामला न्यायालय के निर्देश पर दर्ज किया गया है और पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

आत्महत्या के...

7 अप्रैल को उसके पति की तेहरवीं उसके पैतृक गांव कोटवा जनपद आजमगढ़ में हुई। 10 अप्रैल को ससुराल वालों ने उसे भाई के साथ मायके भेज दिया। इस दौरान सदरपुर से मकान मालिक के बार-बार फोन आने पर वह 22 अप्रैल को अपने भाई के साथ नोएडा आई। मकान मालिक के कहने पर उसने अपने कमरे का ताला तोड़ा उसने जब कमरा देखा तो पता चला कि उसके पति का मोबाइल फोन, बाइक की चाबी, सोने-चांदी के लाखों रुपए के जेवरात, आधार कार्ड, पैन कार्ड, प्लॉट आदि के पेपर गायब थे।

पीड़िता रेखा गिरी के मुताबिक उसके प्रति धर्मपाल गिरी का अपने बड़े भाई धर्मेंद्र गिरी व परमिंदर गिरी से पैसों को लेकर वाद विवाद चल रहा था। इस कारण उसके जेठ उसके पति को आए दिन प्रताड़ित करते थे। इसी प्रताड़ना के कारण उसके पति ने आत्महत्या कर ली। रेखा का कहना है कि उसके पति की मौत के बाद उसके जेठ उसे व बच्चों को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। इस संबंध में उसने थाना सेक्टर-39 पुलिस में शिकायत की लेकिन पुलिस ने कोई मुकदमा दर्ज नहीं किया।

थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर दोनों आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। यह मामला न्यायालय के निर्देश पर दर्ज किया गया है।

चोरी की बिजली से...

अस्पताल ले जाने लगे तो उनके साथ भी मारपीट की गई। वहीं दूसरे पक्ष के ओमन सिंह का कहना है कि वह 30 जून की शाम को अपने खेत में पानी दे रहा था इस दौरान गांव के ही रिंकू, जीतू, नरेश आदि उसके खेत पर आए और अपने खेत में पानी देने को कहने लगे। उसके बेटे मनोज ने कहा कि जब हमारे खेत में पानी लग जाएगा उसके बाद तुम अपने खेत में पानी भर लेना। इस बात को लेकर सभी लोग आग बबूला हो गए और मारपीट शुरू कर दी।

थाना प्रभारी ने बताया कि दोनों पक्षों की तरफ से मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच पड़ताल की जा रही है।

मेट्रो स्टेशन...

के जरिए जानकारी जुटाई तो पता चला कि मोबाइल फोन की लोकेशन सेक्टर-16 पर थी। इसके बाद उसने मेट्रो स्टेशन पर मौजूद सुरक्षा कर्मियों से इसकी शिकायत की। उन्होंने उसे पुलिस स्टेशन भेज दिया। अतुल्य मिश्रा ने बताया कि फोन फाइंड माय डिवाइस की वजह से उसे लगातार लोकेशन मिल रही थी। आखिरी लोकेशन गाजियाबाद की मिली है।

वहीं देवेंद्र भाटी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह बोटैनिकल गार्डन मेट्रो स्टेशन से मेट्रो ट्रेन पकड़ने के लिए खड़ा हुआ था। इस दौरान मेट्रो स्टेशन पर अज्ञात चोर ने उसकी जेब से मोबाइल फोन चोरी कर लिया।

पिस्टल की बट से...

अभिषेक कसाना व सुधीर पुत्र बलजीत निवासी ग्राम मिल्कलछी ने लोहे की रॉड से उसे पीटना शुरू कर दिया। बुरी तरह लहूलुहान करने के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए।

विशाल नागर के मुताबिक इस घटना के बाद से ही आरोपी उसे फोन कर धमका रहे हैं कि यदि उसने पुलिस में रिपोर्ट की तो इसके परिणाम अच्छे नहीं होंगे। पीड़ित के मुताबिक आरोपी दबंग किस्म के हैं। इस कारण उसे और उसके परिवार को जान का खतरा बना हुआ है।

थाना प्रभारी अरविंद कुमार ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और उनकी तलाश की जा रही है।

दिनेश कार्तिक होंगे आरसीबी के बल्लेबाजी कोच और मेंटॉर

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके पूर्व भारतीय क्रिकेटर दिनेश कार्तिक को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने अपना बल्लेबाजी कोच और मेंटॉर नियुक्त किया है। इस नियुक्ति के बाद कार्तिक इंडियन प्रीमियर लीग के अगले सत्र से आरसीबी के खिलाड़ियों को बल्लेबाजी के गुर सिखाते नजर आएंगे। कार्तिक ने आरसीबी के बल्लेबाजी कोच और मेंटॉर के रूप में नियुक्ति को लेकर जारी एक बयान में कहा कि पेशेवर स्तर पर कोचिंग करने का अवसर पाकर मैं काफी उत्साहित हूं। यह मेरे जीवन का एक नया अध्याय है। मैं उम्मीद करता हूं एक खिलाड़ी के तौर पर मिले अपने अनुभव आरसीबी को दे पाऊंगा। कार्तिक आईपीएल में कुल छह टीमों का हिस्सा रहे। उन्होंने दिल्ली डेयरडेविल्स, किंग्स इलेवन पंजाब, मुंबई इंडियंस, गुजरात लायंस, कोलकाता नाइट राइडर्स और आरसीबी का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने में केकेआर के लिए कप्तानी भी की है। कार्तिक ने 2004 में इंग्लैंड के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पर्दापण किया था और उन्होंने क्रिकेट के तीनों प्रारूप में अपना योगदान दिया। उन्होंने टेस्ट में एक शतक लगाया। कार्तिक 2007 में भारत की टी-20 विश्वकप विजेता टीम का हिस्सा भी रहे। कार्तिक ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में 26 टेस्ट, 94 एकदिवसीय और 60 टी-20 मैच खेले है।

केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मांडविया से अनिल व्यास ने शिष्टाचार भेंट की

जयपुर। राजस्थान राज्य ओलम्पिक संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष अनिल व्यास ने सोमवार को केन्द्रीय खेल एवं युवा मामलात मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया से शिष्टाचार भेंट की। राजस्थान राज्य ओलम्पिक संघ के महासचिव रामावतार सिंह जाखड़ ने बताया कि इस अवसर पर व्यास ने डॉ. मनसुख मांडविया को राजस्थान राज्य की खेल गतिविधियों के बारे में अवगत करवाया। साथ ही व्यास ने खेलमंत्री को राजस्थान में पधारने को निमंत्रण दिया। जिसको उन्होंने स्वीकार करते हुए राजस्थान राज्य ओलम्पिक संघ के आगामी कार्यक्रम में आने की सहमति प्रदान की।

विश्वनाथन आनंद ने 10वीं बार जीता लियोन मास्टर्स का खिताब

नई दिल्ली। पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने लियोन मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया है। आनंद ने 10वीं बार यह खिताब हासिल किया है। उन्होंने 28 साल पहले लियोन में अपनी पहली ट्रॉफी जीती थी। आनंद ने फाइनल में स्पेन के जैमे सैंटोस लटासा को 3-1 से मात दी। आनंद ने इससे पहले 1996, 1999, 2000, 2001, 2005, 2006, 2007, 2011 और 2016 में भी इस टूर्नामेंट का खिताब जीता था।

अंतिम ग्रुप मैच में इंडोनेशिया ने भारत को 4-1 से हराया

नई दिल्ली। बैडमिंटन एशिया जूनियर मिश्रित टीम चैंपियनशिप में इंडोनेशिया ने भारत को 4-1 से पराजित कर दिया। इसी के साथ भारत ग्रुप सी में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। अब भारत का चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में मुकाबला मलेशिया से होगा। नॉकआउट चरण के लिए पहले ही क्वालिफाई कर चुके भारत ने इंडोनेशिया के खिलाफ अंतिम ग्रुप मैच के लिए अपनी पूरी लाइन अप बदल दी। उन्होंने लड़कियों के एकल में तन्वी शर्मा को आराम दिया और नए मिश्रित और पुरुष युगल को उतारा। वंश देव और श्रावणी वालेकर की मिश्रित युगल जोड़ी ने तौफिक अदर्या और क्लेयरिन मुलिया से पहला मैच 14-21, 16-21 से गंवा दिया। ध्रुव नेगी एक घंटे से ज्यादा समय तक चले मैच में ब्यूनो ओकटोरा से 14-21, 21-11, 11-21 से हार गए। भार्गव राम अरिगेला और विश्व तेज गोब्बुरू को लड़कों के युगल में एंसेलमस प्रसेत्या और पुलुंग रामाधन से 17-21, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा जिससे भारत यह मुकाबला गंवा बैठा। नव्या कांडेरी ने मुटियारा पुष्पितसारी पर 21-19, 21-19 से जीत दर्ज की।

जिला बैडमिंटन में जयपुर स्पोर्ट्स अकादमी ने जीते 34 पदक

जयपुर। वैशाली नगर स्थित जयपुर स्पोर्ट्स एकेडमी के खिलाड़ियों ने हाल ही एसएमएस स्टेडियम में संपन्न जयपुर जिला ओपन बैडमिंटन में शानदार प्रदर्शन करते हुए 34 पदक जीते। एकेडमी की ओर से आयोजित समारोह में राजस्थान बैडमिंटन संघ के उपाध्यक्ष मनोज दासोत ने पदक विजेता खिलाड़ियों का सम्मान किया। टूर्नामेंट में एकेडमी की देशना जैन ने सबसे ज्यादा छह खिताब जीते। आराध्या जोधा और अद्विका अग्रवाल ने चार-चार पदक अपने नाम किए। कनक कूलवाल ने तीन पदक जीते वहीं मिराया फागेरिया, उत्कर्ष सिंह, आराध्या घीगडा, ओजस्विता दुबे, रुद्राक्ष मिठ्ठा, गर्वित बरवार ने भी दो-दो पदक हासिल किए। जय कुमार, आराध्या बिश्नोई, अस्मिता चौधरी ने भी अपनी स्पर्धा में पदक हासिल किए।

पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय दल के किट का अनावरण

भारत की पदक तालिका में होगा सुधार : मांडविया

नई दिल्ली। केन्द्रीय खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने उम्मीद जताई कि भारतीय दल इस बार ओलंपिक खेलों में नये मानदंड स्थापित करेगा। उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से पेरिस ओलंपिक में भारत की पदक तालिका में और सुधार होगा। खेलमंत्री रविवार को यहां भारतीय ओलंपिक संघ की ओर से पेरिस खेलों में हिस्सा लेने जा रहे भारतीय दल के विदाई समारोह में बोल रहे थे। कार्यक्रम में भारतीय दल के एथलीटों के साथ आईओए अध्यक्ष पीटी उषा और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने हिस्सा लिया। मांडविया ने पेरिस जाने वाले एथलीटों की औपचारिक विदाई और किट के अनावरण के दौरान कहा कि मुझे विश्वास है कि यह दल खेलों में भारत के विकास को बनाए रखेगा। हमने 2016 रियो में दो पदकों से बढ़कर टोक्यो में सात पदक हासिल किए। नीरज चोपड़ा के स्वर्ण पदक से भारत तालिका में 67वें से 48वें स्थान पर पहुंच गया। मुझे उम्मीद है कि हमारे एथलीट हमें इस बार पदक तालिका में और भी ऊपर ले जाएंगे।

ओलंपिक दल की तीन किट का अनावरण

पेरिस जाने वाले भारतीय दल की तीन किट का अनावरण किया गया। इसमें औपचारिक पोशाक, खेल पोशाक और यात्रा पोशाक शामिल हैं। मांडविया ने कहा कि यह कार्यक्रम सिर्फकिट और औपचारिक पोशाक के अनावरण के बारे में नहीं है बल्कि उन अरबों भारतीयों के सपनों और आकांक्षाओं का प्रतीक है।

सर्वश्रेष्ठ सुविधाएं मिलेंगी : उषा

आईओए प्रमुख पीटी उषा ने कहा कि पेरिस में एथलीटों को सर्वश्रेष्ठ सहायता प्रणाली प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि हमने डॉ. दिनशॉ पारदीवाला के नेतृत्व में एक मजबूत टीम बनाई है। इसमें खेल चिकित्सा विशेषज्ञ, कल्याण विशेषज्ञ, पोषण विशेषज्ञ, फिजियोथेरेपिस्ट और एक नींद वैज्ञानिक शामिल है।

120 सदस्यीय होगा भारतीय दल

भारतीय दल में करीब 120 एथलीट शामिल हैं, जिनमें भाला फेंक में ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा, 16 सदस्यीय पुरुष हॉकी टीम और रिकॉर्ड 21 निशानेबाज शामिल हैं। पीटी उषा ने कहा कि पहली बार आईओए एथलीटों और कोचिंग और सहयोगी स्टाफ को भागीदारी भत्ता भी देगा। मुझे विश्वास है कि भारत किसी भी ओलंपिक के मुकाबले पेरिस में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ वापस लौटेगा।

गेंदबाज स्नेह राणा बनी प्लेयर ऑफ द मैच

भारतीय महिला टीम ने टेस्ट मैच में अफ्रीका को दस विकेट से हराया

चेन्नई। भारतीय महिला टीम ने बल्लेबाजों और गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर सोमवार को टेस्ट मैच के चौथे दिन दक्षिण अफ्रीका को 10 विकेट से करारी शिकस्त देते हुए एकमात्र टेस्ट मैच की सीरीज जीत ली है। भारतीय गेंदबाजों ने फॉलोऑन खेल रही दक्षिण अफ्रीका को टेस्ट मैच के चौथे दिन आज सुबह दूसरी पारी में 373 रनों पर समेट दिया। इसके बाद भारत को जीत लिए 37 रन का लक्ष्य मिला था जिसे टीम इंडिया ने सतीश शुभा (नाबाद 13) और शेफाली वर्मा (नाबाद 24) की मदद से 9.2 ओवर में हासिल कर मुकाबला 10 विकेट से जीत लिया।

लॉरा वुलफार्ट ने खेली शतकीय पारी

दक्षिण अफ्रीका ने आज सुबह कल के दो विकेट पर 232 रनों से आगे खेलना शुरू किया। मेहमान टीम पारी के स्कोर में 32 रन ही जोड़ पाई थी कि दीप्ति शर्मा ने मैरिजान कॉप (31) को आउट कर भारत को तीसरी सफलता दिलाई। स्कोर में दो रन इजाफा ही हुआ था कि स्नेह राणा ने डेलमी टकर (शून्य) पर पवेलियन भेज दिया। सलामी बल्लेबाज कप्तान लॉरा वुलफार्ट और नडीन डी क्लर्क पारी को संभाला। लॉरा वुलफार्ट 122 रन कर आउट हुई। नडीन डी क्लर्क 61, सिनालो जाफ्टा 15, अनेरी डर्कसन 5, दुमी सेखुखुने 6 और मासाबाटा क्लास 2 रन बनाकर आउट हुई।

स्नेह, दीप्ति, राजेश्वरी ने लिए दो-दो विकेट

भारतीय गेंदबाजों ने दक्षिण अफ्रीका की पूरी टीम को दूसरी परी में 373 रन पर समेट दिया। भारत की ओर से स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा और राजेश्वरी गायकवाड़ ने दो-दो विकेट लिए। पूजा वस्त्रकर, शेफाली वर्मा और हरमनप्रीत कौर को एक-एक विकेट मिला।

कनाडा ओपन बैडमिंटन आज से

एक साल के खिताबी सूखे को खत्म करना चाहेंगे लक्ष्य

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन मंगलवार से शुरू हो रहे कनाडा ओपन में अपनी चुनौती पेश करेंगे। इस प्रतियोगिता के जरिए वह अपनी लय में वापसी करना चाहेंगे और एक साल के खिताबी सूखे को खत्म करने की कोशिश करेंगे। सेन विश्व रैंकिंग में 14वें स्थान पर पहुंच गए हैं और बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 500 स्तर की इस प्रतियोगिता में उन्हें चौथी वरीयता मिली है। पेरिस ओलंपिक में भाग लेने वाले भारतीय खिलाड़ियों में वह कनाडा ओपन में चुनौती पेश करने वाले इकलौते भारतीय हैं।

राष्ट्रमंडल खेलों के मौजूदा स्वर्ण पदक विजेता सेन पिछले साल लगभग इसी समय कनाडा ओपन में जीत दर्ज करने के बाद से खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं। सेन इस टूर्नामेंट में पेरिस ओलंपिक के लिए तैयारी करते हुए अपनी लय वापस पाने की कोशिश करेंगे। विश्व चैम्पियनशिप के पूर्व कांस्य पदक विजेता सेन क्वालीफायर के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेंगे। वह अगर शुरुआती बाधा को पार करने में सफल रहे तो क्वार्टर फाइनल में उन्हें विश्व रैंकिंग में 23वें स्थान पर काबिज हांगकांग के एनजी का लोंग एंगस की चुनौती मिल सकती है। पुरुषों के मुख्य ड्रा में उनके अलावा तीन अन्य भारतीय हैं। यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले प्रियांशु राजावत डेनमार्क के आठवीं वरीयता प्राप्त रासमस गेमके के खिलाफअपने अभियान का आगाज करेंगे। किरण जॉर्ज जापान के युशी तनाका से भिड़ेंगे, जबकि आयुष शेट्टी के सामने छठी वरीयता प्राप्त वतनबे की चुनौती होगी।

इंडिया ए महिला क्रिकेट टीम का अगस्त में ऑस्ट्रेलिया दौरा

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अगस्त महीने में आने वाली इंडिया ए महिला क्रिकेट टीम मेजबान महिला ए टीम के साथ तीन-तीन एकदिवसीय, टी-20 और एक चार दिवसीय मैच खेलेगी। सात से 25 अगस्त के दौरान ब्रिस्बेन में टी-20 सीरीज, मकाए में तीन एकदिवसीय मैच तथा गोल्ड कोस्ट में चार दिवसीय मैच खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया की उपकप्तान तालिया मैकग्रा टी-20 और एकदिवसीय मैचों में कप्तानी करेंगी। चार दिवसीय मैच की अगुवाई चार्ली करेंगी। इस दौरान किम गार्थ और मेगन शूट जैसी खिलाड़ी भी खेलती नजर आएंगी। मैकग्रा ने कहा कि वह इस सीरीज और इंडिया ए से मिलने वाली चुनौतियों को लेकर बेहद उत्साहित हैं। राष्ट्रीय चयनकर्ता शॉन फ्लेगलर ने कहा कि यह दौरा इस वर्ष होने वाले टी-20 विश्वकप की तैयारियों में बेहद मददगार साबित होगा। उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश में होने वाले टी-20 विश्वकप से पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम सितंबर के मध्य में न्यूजीलैंड के साथ भी तीन टी-20 मैचों की सीरीज खेलेगी।

चक्रवात की चेतावनी, बारबाडोस में फंसी भारतीय टीम

बारबाडोस। टी-20 विश्वकप 2024 जीतने के बाद बारबाडोस में रविवार रात चक्रवात को लेकर जारी की गई चेतावनी के बाद बंद किए गए हवाई अड्डे के कारण भारतीय टीम की अब तक स्वदेश वापसी नहीं हो पाई है। इस दौरान यहां मीडिया से बातचीत में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने कहा कि आपकी (मीडिया) तरह हम भी यहां फंसे हुए हैं। एक बार यात्रा की योजना बने फिर हम सम्मान समारोह के बारे में सोचेंगे। भारतीय टीम इस समय हिल्टन होटल में ठहरी हुई है। फाइनल में हार के बाद दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी रविवार सुबह ही बारबडोस से रवाना हो गए थे।

कोच और चयनकर्ता की नियुक्ति जल्द: शाह- टीम के कोच की नियुक्ति पर उन्होंने कहा कि कोच और चयनकर्ता दोनों की ही जल्द नियुक्ति कर दी जाएगी। सीएसी ने इंटरव्यू लेने के बाद नाम शॉर्टलिस्ट कर दिए हैं और मुंबई पहुंचने के बाद इस पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। अभी वीवीएस लक्ष्मण जिम्बाब्वे जा रहे हैं। नए कोच श्रीलंका के साथ सीरीज से भारतीय टीम के साथ जुड़ जाएंगे। उल्लेखनीय है कि टीम इंडिया के मुख्य कोच की दौड़ में पूर्व भारतीय क्रिकेटर गौतम गंभीर सबसे आगे चल रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सीएसी ने पूर्व भारतीय महिला टीम के कोच डब्ल्यूवी रमन को भी शार्टलिस्ट किया है।

अगला लक्ष्य डब्ल्यूटीपी और चैंपियंस ट्रॉफी जीतना: उन्होंने कहा कि मैं चाहूंगा कि भारत हर खिताब जीते। हमारी बेंच स्ट्रेंथ बहुत मजबूत है। विश्व कप टीम के सिर्फ तीन खिलाड़ी ही जिम्बाब्वे जा रहे हैं। जरूरत पड़ने पर हमारी तीन टीमें खेल सकती हैं। जिस तरह से यह टीम लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है, उसे देखते हुए हमारा अगला लक्ष्य वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप और चैंपियंस ट्रॉफी है। वहां भी ऐसा ही दल होगा।

कप्तान का फैसला चयनकर्ता करेंगे

ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या को टी-20 टीम का कप्तान बनाए जाने संभावनाओं पर शाह ने कहा कि कप्तानी पर निर्णय चयनकर्ता लेंगे और हम उनसे चर्चा करने के बाद इसकी घोषणा करेंगे। आपने हार्दिक की बात की, उनके ऊपर कई सवाल खड़े किए गए थे लेकिन चयनकर्ताओं ने उनके ऊपर भरोसा जताया और उन्होंने अपने आप को साबित भी किया। भारतीय टीम 6 जुलाई से जिम्बाब्वे के खिलाफ 5 टी-20 मैचों की सीरीज के लिए हरारे पहुंच रही है। इस दौरे में टीम की कमान शुभमन गिल के हाथों में होगी।

यूरो कप 2024: राउण्ड ऑफ 16 में जॉर्जिया को 4-1 से हराया

यूरो कप के अंतिम 8 में पहुंचा स्पेन

कोलोग्ने (जर्मनी)। रॉड्रिगो हर्नांडेज, फैबियन रुइज, निकोलस विलियम्स और डेनी ओलमो के शानदार गोल की मदद से स्पेन ने जॉर्जियो 4-1 से पराजित कर यूरो 2024 के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। क्वार्टर फाइनल में स्पेन का मुकाबला मेजबान जर्मनी से होगा। जॉर्जिया को मैच का एकमात्र गोल तोहफे में मिला, जब खेल के 18वें मिनट में ही स्पेन के रॉमबन ले नोमैंड आत्मघाती गोल कर बैठे और जॉर्जियो को 1-0 की बढ़त हासिल हो गई। लेकिन हाफ टाइम से पहले मैनजेस्टर सिटी के मिड फीलडर रॉड्रिगो ने 39वें मिनट में स्पेन को 1-1 से बराबरी दिलाई। निको विलियम्स ने 75वें मिनट में टीम को 2-1 से आगे किया। इसके बाद डेनी ओलमो ने 75वें मिनट में गोल कर टीम को 4-1 से जीत दिला दी। अब शुक्रवार को स्टटगार्ट में क्वार्टर फाइनल में स्पेन का मुकाबला जर्मनी से होगा। जर्मनी की टीम डेनमार्क के खिलाफ 2-0 की जीत के साथ पहले ही क्वार्टर फाइनल में पहुंच चुकी है।

इंग्लैंड ने स्लोवाकिया को 2-1 से हराया

राउण्ड ऑफ 16 के एक अन्य मुकाबले में इंग्लैंड ने जूड बेलिंघम और हैरी केन के शानदार गोलों की बदौलत स्लोवाकिया को 2-1 से पराजित कर अंतिम आठ में जगह बनाई। खेल के पहले हाफ में स्लोवाकिया की टीम इवान शरांज के 25वें मिनट में बनाए गोल की बदौलत 1-0 से बढ़त लिए थी। दूसरे हाफ में भी इंग्लैंड की टीम गोल के लिए संघर्ष करती रही। आखिर खेल समाप्ति से पहले इंजरी टाइम में जूड वेलिंघम ने बराबरी का गोल दागा और उसके तुरन्त बाद हैरी कैन ने गोल ठोक इंग्लैंड को अंतिम आठ में पहुंचा दिया।

आरसीए एडहॉक कमेटी का कार्यकाल बढ़ाया

पवन गोयल की जगह विमल शर्मा नए सदस्य

जयपुर। रजिस्ट्रार सहकारिता अर्चना सिंह ने राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की एडहॉक कमेटी का कार्यकाल बढ़ा दिया है। कमेटी में एक बदलाव के रूप में अलवर जिला क्रिकेट संघ के सचिव पवन गोयल के स्थान पर जैसलमेर जिला संघ के सचिव विमल शर्मा को शामिल किया है।

कमेटी के अन्य सदस्यों को बरकरार रखा है। रजिस्ट्रार सहकारिता अर्चना सिंह ने इस आशय के आदेश जारी किए हैं। संघ पृष्ठभूमि के विमल शर्मा लम्बे समय तक भाजपा के छात्र संगठन विद्यार्थी परिषद से जुड़े रहे हैं। उनकी पत्नी भी वर्तमान में भाजपा से पार्षद हैं।

रजिस्ट्रार सहकारिता की ओर से इसी साल 28 मार्च को जारी आदेश में आरसीए कार्यकारिणी को भंग कर छह सदस्यीय एडहॉक कमेटी का गठन किया गया था। गंगानगर जिला संघ के अध्यक्ष जयदीप बिहाणी को कमेटी का कन्वीनर बनाया गया और कमेटी को तीन माह के भीतर आरसीए के नये चुनाव कराने के निर्देश दिए थे। लेकिन कमेटी निर्धारित समय सीमा में चुनाव नहीं करा सकी। रजिस्ट्रार सहकारिता ने अपने नये आदेश में कहा है कि एडहॉक कमेटी ने हमें निर्धारित समय सीमा में चुनाव नहीं कराने के संबंध में अवगत कराया और कार्यकाल बढ़ाने का अनुरोध किया।

रजिस्ट्रार अर्चना सिंह ने आदेश में कहा है कि एडहॉक कमेटी का कार्यकाल नहीं बढ़ाने से विधिक शून्यता की स्थिति उत्पन्न हो जाएगी, इसलिए कमेटी का कार्यकाल बढ़ाए जाने का निर्णय लिया गया। उन्होंने कमेटी का कार्यकाल तीन माह बढ़ाने के साथ ही इस अवधि के दौरान आरसीए के चुनाव कराने के निर्देश दिए हैं।

प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

1. ब्ल्यू हाउस क्या है?
अ. दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति का कार्यालय
ब. अमरीकी दूतावास
स. अमरीकी राष्ट्रपति का कार्यालय
द. जापान में अमरीकी दूतावास का कार्यालय

2. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के तहत लोकसभा, राज्य विधान सभाओं के लिए निर्वाचन वयस्क मताधिकार के आधार पर होता है?
अ. अनुच्छेद-326 ब. अनुच्छेद-327
स. अनुच्छेद-328 द. अनुच्छेद-329

3. भारत में 61वें संविधान संशोधन (1989) के तहत वर्तमान में मताधिकार/ मतदान की आयु सीमा कितनी है?
अ. 21 वर्ष ब. 25 वर्ष
स. 18 वर्ष द. 30 वर्ष

4. भारत में किस लोकसभा चुनावों में सर्वप्रथम इलेक्ट्रॉनिक मतदाता मशीनों (ईवीएम) का प्रयोग किया गया है?
अ. चौदहवीं ब. बारहवीं
स. तेरहवीं द. पन्द्रहवीं

5. भारत में 25 जनवरी को प्रति वर्ष कब से राष्ट्रीय मतदाता दिवस के रूप में मनाया जाता है?
अ. 2009 से ब. 2011 से
स. 2007 से द. 2014 से

6. भारतीय संविधान के अनुच्छेद-84 के अनुसार लोकसभा सदस्य बनने के लिए न्यूनतम आयु सीमा कितनी है?
अ. 21 वर्ष ब. 25 वर्ष
स. 18 वर्ष द. 35 वर्ष

7. भारत में लोकसभा निर्वाचन सम्पन्न कराने का उत्तरदायित्व निम्नलिखित में से किसका है?
अ. लोकसभा अध्यक्ष ब. प्रधानमंत्री
स. निर्वाचन आयोग द. राष्ट्रपति

8. निर्वाचन आयुक्त का कार्यकाल कितने समय का होता है?
अ. 5 वर्ष ब. 6 वर्ष
स. 4 वर्ष द. 3 वर्ष

9. निर्वाचन आयुक्त की अधिकतम आयु सीमा है-
अ. 65 वर्ष ब. 62 वर्ष
स. 60 वर्ष द. 67 वर्ष

उत्तर

1. अ, 2. अ, 3. स. 5. ब, 4. अ, 5. ब, 6. ब, 7. स, 8. ब, 9. अ।

एकादशी व्रत विशेष

कृष्ण का सामीप्य पाने का दिवस

अगर भगवान कृष्ण का सानिध्य पाना है तो एकादशी व्रत सर्वश्रेष्ठ है। हिन्दू पंचांग की ग्यारहवीं तिथि को एकादशी कहते हैं, यह एक संस्कृत शब्द है, यह तिथि मास में दो बार आती है, एक पूर्णिमा और दूसरी अमावस्या पर। पूर्णिमा से आगे आने वाली एकादशी को कृष्ण पक्ष की एकादशी और अमावस्या के बाद आने वाली एकादशी को शुक्ल पक्ष की एकादशी कहते हैं। भगवान् श्रीकृष्ण को एकादशी बहुत प्रिय है, इस दिन हम उनके नाम का जाप करते हैं और व्रत करते हैं। इसका आध्यात्मिक महत्त्व यह है कि हम शरीर की आवश्यकताओं को कम करके, अपनी आत्मा को ईश्वर के समीप ले जाने का प्रयास करें। इसका ये मतलब बिलकुल नहीं है कि हम अपने दैनिक कामकाज छोड़कर सिर्फ भक्ति करें। कर्म को तो कृष्ण ने भी प्रधानता दी है, इसलिए आप अपने दैनिक कार्य कर रहे हैं उन्हें करते हुए भक्ति कीजिये। एकादशी के व्रत का वास्तविक उद्देश्य भूखा रहना नहीं है बल्कि अपनी शारीरिक आवश्यकताओं को कम करके अपनी आध्यात्मिक उन्नति के लिए प्रयास करना है। अपने दैनिक कार्यों के साथ-साथ जप-कीर्तन के लिए समय निकालना, अपने आहार को थोड़ा संयमित करके अपने मन मस्तिष्क को नियंत्रण में रखना, क्योंकि मन बहुत चंचल है। श्रीकृष्ण की दिव्य लीलाओं का स्मरण करके और उनके नाम का श्रवण-कीर्तन करके हम अपने मन मस्तिष्क को नियंत्रित कर सकते हैं। एकादशी व्रत करने से हमें आध्यात्मिक पोषण मिलता है। भगवान् के वरदान के बाद लोगों ने एकादशी व्रत का पालन किया और धीरे-धीरे उनके सारे पापकर्मों का नाश हो गया और वे वैकुंठ चले गए। अब पाप पुरुष का कोई विशेष कार्य नहीं बचा, तो भगवान् ने उसे वरदान दिया कि एकादशी के दिन वो अनाज में उपस्थित रहेगा। हमारे शास्त्रों और पुराणों में एकादशी के दिन अन्न के सेवन को वर्जित माना गया है। है।

- अमितासन दास

आईएएस परीक्षा
मुख्य परीक्षा की तैयारी कर दें आरंभ

यूपीएससी द्वारा आयोजित की जाने वाली सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा 16 जून को हो चुकी है। आप में से ज्यादातर छात्र ऐसे हैं,जो अपने रिजल्ट को लेकर दुविधा की स्थिति में होंगे कि प्रारंभिक परीक्षा में पास होंगे या नहीं?

यूपीएससी द्वारा जारी किए गए पिछले वर्ष की परीक्षा के कट-ऑफ-मार्क्स और पेपर की कठिनाई स्तर के आधार पर काफी हद तक आप इस बात अनुमान लगा सकते हैं कि आपके परीक्षा में कट-ऑफ पार करने की संभावना है या नहीं। इसलिए आपको इस बात पर विशेष ध्यान देना चाहिए कि भविष्य के लिए क्या सटीक रणनीति हो,जो आपकी हर स्थिति के लिए कारगार तर्कपूर्ण हो।

- **मुख्य परीक्षा की तैयारी :** अपने प्रीलिम्स के नतीजों के इंतजार में समय बेकार न करें। आप परीक्षा पास कर रहे हैं या नहीं इस दुविधा में हैं,तो भी हर परिस्थिति में आगे का समय मुख्य परीक्षा को तैयारी का समय है। बस अंतर इतना ही है कि जिनको इस बार मुख्य परीक्षा देनी है,उनके पास लगभग दो महीने का समय है और जिनको इस बार मुख्य परीक्षा नहीं देनी है,उन्हें लगभग दिसंबर के अंत तक मुख्य परीक्षा की तैयारी पर अपना पूरा फोकस करना है।
- **वैकल्पिक विषय की तैयारी :** यदि आप पहले से वैकल्पिक विषय की तैयारी कर चुके हैं,तो पिछले वर्षों में पूछे गए प्रश्नों और इस वर्ष के लिए संभावित प्रश्नों के उत्तर लिखने का अभ्यास करना शुरू कर दें। यदि अभी तक आपने वैकल्पिक विषय को तैयारी नहीं की है,तो बिना देर किए तैयारी शुरू कर दें।
- **गैर-परंपरागत विषयों पर फोकस :** ऐसे विषय, जो केवल मुख्य परीक्षा के ही सिलेबस में हैं और तुलनात्मक दृष्टि से नए हैं,उनकी तैयारी शुरू कर दें। अगर शासन व्यवस्था, भारतीय समाज और सामाजिक न्याय,आप प्रबंधन नीतिशास्त्र और निबंध जैसे विषयों पर आपने अभी तक पर्याप्त ध्यान न दिया हो तो ऐसे में इन विषयों की तैयारी पर ज्यादा जोर दें।
- **पिछले दिनों के करंट अफेअर्स देख लें:** हो सकता है कि प्रारंभिक परीक्षा के दबाव की वजह से पिछले एक- दो महीने की मैगजीन और न्यूज पेपर न पड़ पाए हों, इसलिए कुछ समय निकालकर उन्हें कवर कर लें,ताकि इस दौरान की महत्वपूर्ण सम-सामयिक घटनाओं के बारे में आप खुद को अपडेट कर सकें।
- **सोचकर निर्णय ले :** आप चाहें तो राज्य सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के बारे में भी सोच सकते हैं। लेकिन अलग सिलेबस और परीक्षा पैटर्न होने के कारण सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के साथ राज्य सिविल सेवा की तैयारी करने में बहुत सावधानी रखने की जरूरत होती है।

विश्व विभूति

नेल्सन मंडेला: रंगभेदी अत्याचारों के विरोधी

अंग्रेजों के रंगभेदी अत्याचारों से पीड़ित अश्वेतों को बराबरी और सम्मान दिलाने का मंडेला ने जो अथक संघर्ष किया था, उसकी मिसाल राजनीतिक इतिहास में यदाकदा ही मिलती है। मंडेला का जन्म दक्षिण अफ्रीका के ट्रांसकेई राज्य के म्वेजो गांव में 18 जुलाई सन्1918 को हुआ था। उनके पिता थेंबू खोसा कबीले के मुखिया थे। 7 साल की उम्र में मंडेला पढ़ने के लिए स्कूल गए। उस समय उनका नाम रोलिहलाहला था। मगर मेथेडिस्ट अध्यापक ने उनके नाम के पहले नेल्सन शब्द जोड़ दिया। अतः उनका नाम नेल्सन रोलिहलाहला मंडेला हो गया। स्थानीय स्कूल से पढ़ाई पूरी करने के बाद मंडेला अश्वेत बच्चों के लिए तय प्रमुख स्कूल में गए। इसके बाद उन्होंने फोर्ट हेयर यूनिवर्सिटी कॉलेज में पढ़ाई की और बाद में उच्च शिक्षा के लिए विटवाटरसैंड यूनिवर्सिटी जोहानेसबर्ग गए जहां से उन्होंने लॉ की पढ़ाई पूरी की।

जब वह फोर्टहेयर यूनिवर्सिटी कॉलेज में बीए की पढ़ाई कर रहे थे, तब उनकी मुलाकात ओलिवर टांबो से हुई, जो उनके राजनीतिक रूझान का कारण बने। टांबो और मंडेला पहली मुलाकात के बाद से ही हमेशा के लिए एक दूसरे के दोस्त बन गए। 21 मार्च 1960 को दक्षिण अफ्रीका की श्वेत सरकार ने सार्पविले में जबरदस्त नरसंहार को अंजाम दिया। यह दक्षिण अफ्रीका के इतिहास में हुए भयानक नरसंहारों में से एक था। इसके बाद से दक्षिण अफ्रीका

में उथल-पुथल मच गई। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक इस नरसंहार में 69 लोग मरे थे और 400 से ज्यादा गंभीर रूप से घायल हुए थे। मगर वास्तविक संख्या इससे कहीं ज्यादा थी। जबकि लोग विरोध प्रदर्शन अहिंसक तरीके से कर रहे थे। इसके बाद पूरे दक्षिण अफ्रीका में इमरजेंसी लागू कर दी गई। इस आंदोलन में नेल्सन मंडेला की भी जबरदस्त भूमिका थी। 5 अगस्त 1962 को गिरफ्तार कर लिया गया और तभी शुरू हुआ उनका राजनीतिक कैदी जीवन। वह जेल में सबसे ज्यादा लंबे समय तक रहने वाले राजनेता हैं। 5 अगस्त 1962 से 1990 तक वह जेल में रहे। पूरे 27 साल। मई 1994 में वह दक्षिण अफ्रीका के पहले अश्वेत राष्ट्रपति बने। इसके पहले 1993 में उन्हें श्वेत नेता और तत्कालीन दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति एफ.डब्ल्यू.डी. क्लार्क के साथ संयुक्त रूप से नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया।

अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता

यूनेस्को ट्रिपल क्राउन की फोटो प्रतियोगिता

यूनेस्को ट्रिपल क्राउन जेजू द्वीप पर आधारित जेजू अंतरराष्ट्रीय फोटो प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता में प्रवेश निःशुल्क है, इसलिए उम्मीदवार अपनी रचनात्मकता को दिखाते हुए जेजू द्वीप पर अपने द्वारा खीची गई तस्वीरें जमा कर सकते हैं। प्रतियोगिता की थीम एन्वॉयरन्मेंटल लैंडस्केप नेचर पर आधारित है।

प्रतियोगिता रंगीन या ब्लैक एंड व्हाइट सभी प्रकार की तस्वीरों को स्वीकार करती है। प्रतिभागियों को जेजू द्वीप पर आधारित न्यूनतम तीन और अधिकतम पांच तस्वीरों को प्रस्तुत करने होंगे। उम्मीदवार तस्वीर में अपनी फील्ड/चित्र का शीर्षक अवश्य दें। सभी प्रकार की तस्वीरें स्वीकार्य हैं। कार्य को एक छवि के रूप में प्रस्तुत किया जाना चाहिए। फोटो 300

डीपीआई में 3 एमबी से कम की जेपीजी फाइल के रूप में हो। विजेताओं को कुल 4,800 डॉलर का पुरस्कार दिया जाएगा। आवेदन करने की अंतिम तिथि 9 सितंबर, 2024 निर्धारित की गई है।

ऑफिस में बनाएं अपनी पहचान

ऑफिस में काम के अलावा भी और कई चीजें होती हैं जिनका ख्याल रखने से ना केवल आपकी इमेज अच्छी रहती है बल्कि आपके बॉस भी हमेशा खुश रहते हैं। हम आपको बताते हैं वो कौन सी बाते हैं जिनका ख्याल रखने से आपके बॉस हमेशा खुश रहेंगे।

- **काम में हो फोकस:** अगर आप अपना काम पूरे फोकस के साथ करते हैं और समय पर खत्म कर देते हैं तो आपके बॉस हमेशा आपसे खुश रहेंगे। काम में लापरवाही किसी भी बॉस को पसंद नहीं आती, इसलिए हर चीज को पूरे प्लानिंग के साथ करें।
- **रूटीन का काम न करें:** रूटीन को काम तो हर कोई कर लेता है, बॉस का ध्यान आपके ऊपर तक जाता है जब आप नए आइडियों पर काम करते हैं। रूटीन से थोड़ा हटकर काम करना हमेशा बॉस को पसंद आता है, इसलिए डेली के काम के साथ-साथ नए-नए आइडियों पर भी काम करें।
- **ऑफिस में खुशमिजाज व्यवहार:** आठ घंटे काम करने के अलावा एक और ऐसी चीज है जो आपके बॉस को पसंद आ सकती है। और वो है आपका खुशमिजाज व्यवहार। कोई भी बॉस आपनी टीम में नाकारत्मक लोग नहीं चाहता। इसलिए काम करने के साथ-साथ खुश रहें जो भी काम हाथ में लें उसे खुशी के साथ पूरा करें।
- **सभी से कम्युनिकेशन करें:** अगर आप ऑफिस में कटे-कटे और अलग-थलग रहते हैं तो यह ठीक नहीं है। अपनी चीजों को अपने बॉस से शेयर करें और उसकी प्लानिंग में गाइडेंस लें। ऑफिस में अलग रहना और किसी से भी इंटरैक्शन नहीं करना आपकी नैगेटिव इमेज बना सकता है।
- **खुद को एक्टिव रखें:** ऑफिस में हमेशा एक्टिव रहें, सुस्त और आलसी लोग बॉस को कभी पसंद नहीं आते। अपने काम में भी एक्टिव रहें। खुद को हमेशा अप टू डेट रखें।

हमेशा मांग में रहता है नर्सिंग का कॅरिअर

जिस तरह से दुनिया में बीमारियां तेजी से अपने पैर पसार रही हैं, उसी तेजी से पूरी दुनिया में नर्सिंग जॉब की जबरदस्त मांग हुई है। कोरोना में तो नर्सों ने 15 घंटे तक काम किया। वैश्विक मेडिकल स्टैंडर्ड के हिसाब से नर्स के काम की अवधि 5 से 6 घंटे होनी चाहिए। इससे ज्यादा काम की अवधि, उनके काम की क्वालिटी को कम करती है। आज पूरी दुनिया में नर्सों की मांग में भारी इजाफा हुआ है। भारत में ही 2025 तक कम से कम 8 लाख नई नर्सों की जरूरत है। मतलब साफ है कि इस क्षेत्र में आने वाले सालों में नौकरियों की जबरदस्त संभावनाएं हैं।

अलग-अलग कोर्स

पहले नर्सों के लिए एक बेसिक कोर्स ही होता था। वही बेसिक कोर्स करके नर्सें अलग-अलग तरह के मरीजों की देखरेख किया करती थीं, लेकिन अब नर्सें भी अलग-अलग काम के लिए अलग-अलग तरीके से प्रशिक्षित हो रही हैं। बेसिक नर्सिंग कोर्स के बाद अब नर्सें कई तरह के स्पेशल कोर्स कर रही हैं, जैसे क्रिटिकल केयर नर्सिंग, इमरजेंसी एवं डिजॉस्टर नर्सिंग, नियोनेटल नर्सिंग, कर्डिएफथोरिकक नर्सिंग और भी कई ऐसे ही विशेष नर्सिंग डिप्लोमा हाल के दिनों में उभर करके सामने आये हैं, जिनको जॉब बाजार से जबरदस्त प्रोत्साहन मिल रहा है। कुशल नर्स सिर्फ डॉक्टर की सहायक भर नहीं होती बल्कि वह मरीजों की परेशानियों, भावनाओं और मनोविज्ञान को समझकर उन्हें जल्द से जल्द ठीक होने में मदद भी पहुंचाती है। दो बातें याद रखना चाहिए, नर्सिंग के क्षेत्र में उसी लड़के या लड़की को आना चाहिए, जिसके दिल में लोगों की

रोजगार के अवसर

देश का कोई ऐसा क्षेत्र, कोई ऐसा शहर, कोई ऐसा कस्बा नहीं जहां नर्सिंग के क्षेत्र की नौकरी उपलब्ध न हो। बड़े शहरों में मौजूद हजारों की तादाद में नर्सिंगहोम और सरकारी तथा प्राइवेट अस्पतालों के कारण नर्सों की जबरदस्त डिमांड है। नर्सिंग के क्षेत्र में जाने के लिए बीएससी नर्सिंग का पाठ्यक्रम, चार वर्ष की अवधि वाला मौजूद है। इसमें 10+2 की डिग्री लेने के बाद परीक्षा में बैठकर और पास होकर आपके पास नौकरी के दर्जनों अवसर पैदा हो जाते हैं। एक साल के भी कई प्रशिक्षण कोर्स उपलब्ध हैं। इस क्षेत्र में युवतियों को बीएससी नर्सिंग कोर्स का ही आकर्षण होता है, जिसमें जाने के लिए 10+2 परीक्षा भौतिकी रसायन, जीव विज्ञान और अंग्रेजी विषयों से पास होना जरूरी है। 10+2 में कम से कम 55 फीसदी अंक भी जरूरी है।

सेवा का मजबूत भाव हो। दूसरी बात यह कि आमतौर पर विवाहित युवतियों को नर्सिंग के कोर्स में प्रवेश की अनुमति नहीं है। इसलिए नर्सिंग के क्षेत्र में अगर कॅरिअर बनाना है तो बहुत पहले ही इसे तय करना होगा और 12वीं करने के साथ ही इस क्षेत्र में दाखिला ले लेना होगा। नर्सिंग का प्रशिक्षण हासिल करने के बाद तमाम जगहों पर नौकरी तो मिलने की संभावना रहती ही है, इसके साथ ही आप कई तरह के स्वरोजगार भी कर सकते हैं।

शैक्षिक योग्यता

पहले बिना परीक्षा भी विभिन्न नर्सिंग संस्थानों में एडमिशन मिल जाता था, लेकिन पिछले कई सालों से एडमिशन के लिए परीक्षा पास करनी होती है। नर्सिंग एग्जाम में भौतिकी रसायन और जीव विज्ञान से संबंधित सवाल पूछे जाते हैं। जिन्हें इस क्षेत्र में अध्यापन को कॅरिअर बनाना है, उन्हें बीएससी नर्सिंग करने के बाद एमएससी नर्सिंग का भी कोर्स करना पड़ता है। इन पाठ्यक्रमों में चयन प्रवेश परीक्षा के बाद साक्षात के आधार पर होता है। नर्सिंग पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद होस्पिटल मैनेजमेंट, पब्लिक हेल्थ और सोशल वर्क जैसे क्षेत्रों में भी कॅरिअर बनाया जा सकता है। कई साल तक नर्सिंग से दूर रहने के बाद भी इस क्षेत्र में नौकरी शुरू की जा सकती है।

यह भी हैं रास्ते

मरीजों की देखभाल की नौकरी नहीं करनी तो नर्सिंग प्रशिक्षण के बाद कई दूसरे क्षेत्रों में जाया जा सकता है। साइकोलॉजी और कॅरिअर काउंसलर बनकर भी रोजी रोटी कमायी जा सकती है। जहां तक इस क्षेत्र में कमायी का सवाल है तो एक जमाने में यह सब सेवा का क्षेत्र था, लेकिन आज की तारीख में यह सेवा के साथ मेवा पाने का क्षेत्र भी है।

इन संस्थानों में दाखिला लिया जा सकता है

- दिल्ली पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली
- अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग, चंडीगढ़
- वीएमएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी बटाला, पंजाब
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी, उत्तर प्रदेश
- श्री गंगाराम हॉस्पिटल राजेंद्र नगर, बिहार
- केएमसीएच कॉलेज ऑफ नर्सिंग कोयंबरटूर, तमिलनाडु

अपोलो स्कूल ऑफ नर्सिंग, चेन्नई

यूजीसी ने की फीस रिफंड पॉलिसी की घोषणा

यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन ने इस सत्र के लिए फीस रिफंड पलिसी जारी की है। इसके तहत सत्र 2024- 25 में कॉलेजों में नामांकन लेने वाले छात्र- छात्राएं किसी कारण अपना नाम कटाते हैं, तो कॉलेज को उन्हें पूरी फीस वापस करनी होगी। निर्देश के तहत सभी विश्वविद्यालयों को 30 सितंबर तक सीट छोड़ने वाले छात्र- छात्राओं की पूरी फीस लौटानी होगी। कॉलेज 31 अक्तूबर तक सीट छोड़ने पर प्रोसेसिंग फीस के नाम पर मात्र 1000 रुपये काट सकते हैं। नियमों का उल्लंघन करने वाले संस्थानों पर जुर्माना करने से लेकर मान्यता रह करने तक का प्रावधान है। यूजीसी के सचिव मनीष जोशी ने राज्यों और विश्वविद्यालयों को पत्र जारी कर इसकी जानकारी दी है। शिक्षण संस्थान नियमों का उल्लंघन करता है तो यूजीसी को सीधे शिकायत भेज सकते हैं। नानांकन प्रक्रिया 31 अक्तूबर के बाद भी जारी रहती है तो नामांकन की अंतिम तिथि नोटिफाई होने से 15 दिन पहले आवेदन करने वाले विद्यार्थियों को सौ प्रतिशत फीस वापस करनी होगी।

सोनी का फोटोग्राफी कॉम्पिटिशन

सोनी फोटोग्राफी ऑर्गनाइजेशन की ओर से दुनिया भर के सभी कलाकारों के लिए फोटोग्राफी कॉम्पिटिशन का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य कलाकारों को फोटोग्राफी संस्कृति के विकास के लिए एक मंच प्रदान करना है। कॉम्पिटिशन में भाग लेने के लिए पेशेवरों की आयु 18 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। कॉम्पिटिशन के तहत उम्मीदवारों को पांच से 10 फोटो को जमा करना होगा। उम्मीदवारों द्वारा जमा की गई फोटो एक एमबी से छोटी और पांच एमबी से बड़ी नहीं होनी चाहिए और फोटो जेपीईजी फॉर्मेट में ही स्वीकार किए जाएंगे। चयनित प्रथम विजेता को वर्ष का सर्वश्रेष्ठ फोटोग्राफर का खिताब और 25,000 डॉलर का पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। उम्मीदवार आधिकारिक लिंक पर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने की अंतिम तिथि 10 जनवरी,2025 है।

स्पेशल क्विज

मिसाइल मैन किसे कहा जाता है?
- पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम

तेजस क्या है?
- भारत में बना लड़ाकू विमान

खालसा पंथ की स्थापना कब हुई?
- 9 अप्रैल, 1699 में

15वें एशियाई खेल कहां हुए थे?
- कतर की राजधानी दोहा में

नेशनल कॉलेज ऑफ फिजिकल एजूकेशन कहां स्थित है?
- ग्वालियर में

आइस हॉकी को ओलंपिक में कब शामिल किया गया?
- साल 1920, एंटवर्प में

क्रिकेट पिच की चैड़ाई कितनी होती है?
- 10 फुट (3.05 मीटर) होती है

अर्जुन पुरस्कार प्राप्त करने वाली पहली महिला कौन है?
- स्टेफी डिसूजा

भारत का राष्ट्रीय खेल दिवस, किसका जन्मदिवस है?
- हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद का

क्या आप जानते हैं?
हमारे दांत क्या हैं?

मनुष्य के जीवन काल में दांत केवल दो बार निकलते हैं। जब बच्चा 6-7 महीने का होता है, तब उसके दांत निकलने शुरू होते हैं। इन्हें दूध के दांत कहते हैं। तीन वर्ष की उम्र तक इनकी संख्या 20 हो जाती है। लगभग 6 वर्ष की उम्र के बाद दूध के दांत गिरने लगते हैं और उनकी जगह स्थायी दांत निकलने शुरू हो जाते हैं। बीस वर्ष की उम्र से पहले, स्थायी दांतों की संख्या 32 तक हो सकती है। ये 32 दांत सोलह-सोलह की संख्या में ऊपर और नीचे के जबड़ों में व्यवस्थित होते हैं। दोनों जबड़ों में सामने के चार-चार दांतों को इनसाइजर कहते हैं। इनके किनारे बहुत पैने होते हैं और मुख्य रूप से भोजन काटने का काम करते हैं। इन चार दांतों के दोनों ओर हर जबड़ों में एक-एक नुकीला दांत होता है। इन्हें केनाइन कहते हैं। दोनों जबड़ों में इनकी संख्या चार होती है। केनाइन दांतों के अंदर की ओर दो-दो दांत होते हैं। इनके दो नुकीले सिरे होते हैं। इसलिए इन्हें बाइक्युस्पिड कहा जाता है। दोनों जबड़ों में तीन-तीन यानी कुल छः दाढ़ें होती है। दाढ़ों के कई नुकीले सिरे होते हैं। सबसे अंदर वाली दाढ़ को अक्ल दाढ़ कहते हैं। यह अक्सर 13-14 वर्ष की उम्र के बाद निकलती है। दाढ़ मुख्यरूप से भोजन चबाने का काम करती है।

जूही ने शाहरुख को लेकर किया खुलासा

एक समय था, जब जूही चावला और शाहरुख खान की जोड़ी बड़े परदे पर धमाल मचाया करती थी। लोगों को दोनों की जोड़ी खूब पसंद थी। फिल्म के अलावा अब दोनों कई साल से कारोबार में भी जोड़ीदार हैं। सभी जानते हैं कि जूही और शाहरुख खान इंडियन प्रीमियर लीग की टीम कोलकाता नाइट राइडर्स के सह-मालिक हैं। दोनों एक-दूसरे के बारे में कई बातें जानते हैं और हाल ही में, इसका एक उदाहरण भी देखने को मिला है। गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में जूही चावला ने शाहरुख खान के करियर के शुरूआती दिनों का एक दिलचस्प किस्सा साझा किया।

जूही ने बताया कि शाहरुख के पास एक काले रंग की जिप्सी हुआ करती थी और वो उसकी ईएमआई नहीं भर पा रहे थे, जिसके चलते उनकी कार को ले लिया गया था। इस घटना के बाद वो निराश होकर फिल्म के सेट पर पहुंचे थे। तब जूही ने उन्हें सांत्वना देते हुए कहा था कि चिंता करने की जरूरत नहीं है। एक दिन तुम्हारे पास कई सारी कार होगी। जूही ने कहा कि शाहरुख आज भी इस बात को याद करते हैं। जूही ने कार्यक्रम के दौरान यह भी बताया कि शाहरुख के पास मुंबई में घर नहीं होता था। वो फिल्म के क्रू सदस्यों के साथ घुलमिल कर रहा करते थे। उन्हीं के साथ चाय पीते थे और उन्हीं के साथ खाना खाते थे। उन दिनों वो दो से तीन शिफ्ट में काम करते थे। एक शिफ्ट में जूही के साथ 'राजू बन गया जेंटलमैन' के सेट पर जाते थे और बाकी में 'दिल आशना है' और 'दीवाना' में काम करते थे।

साउथ इंडस्ट्री में कदम रख रहे सनी

फिल्म 'गदर 2' के साथ सनी देओल ने बड़े पर्दे पर धमाकेदार वापसी की है। इस फिल्म की सलफलता के बाद सनी के पास कई फिल्मों की लाइन लगी हुई है। वह 'लाहौर 1947' और 'बॉर्डर 2' में नजर आने वाले हैं। वहीं बीते दिनों सनी ने अपनी एक और फिल्म की घोषणा की थी। सनी देओल निर्देशक गोपीचंद मालिनेनी की फिल्म से साउथ इंडस्ट्री में कदम रखने जा रहे हैं।

इस एक्शन मूवी को 'एसडीजीएम' कहा जा रहा था, जो सनी देओल और गोपीचंद मालिनेनी के नामों का इनिशियल्स है। फिल्म की घोषरा करते हुए मेकर्स ने दावा किया था कि यह अब तक सबसे बड़ी एक्शन फिल्म होगी। वहीं अब इस फिल्म के टाइटल का खुलासा हो गया है। खबरों के अनुसार सनी देओल की साउथ डेब्यू फिल्म का नाम 'जट' होगा। इस फिल्म को माइथ्री मूवी मेकर्स प्रोड्यूस कर रहे हैं, जो अल्लू अर्जुन स्टारर फिल्म 'पुष्पा 2' के भी मेकर्स हैं। फिल्म जट को तीन महीने के अंदर रैप किया जाएगा। सनी देओल फिल्म जट में मास एक्शन हीरो के अवतार में दिखेंगे। फिल्म में सनी देओल के अलावा सैयामी खेर और रेजिना कैसेंड्रा भी नजर आएंगी।

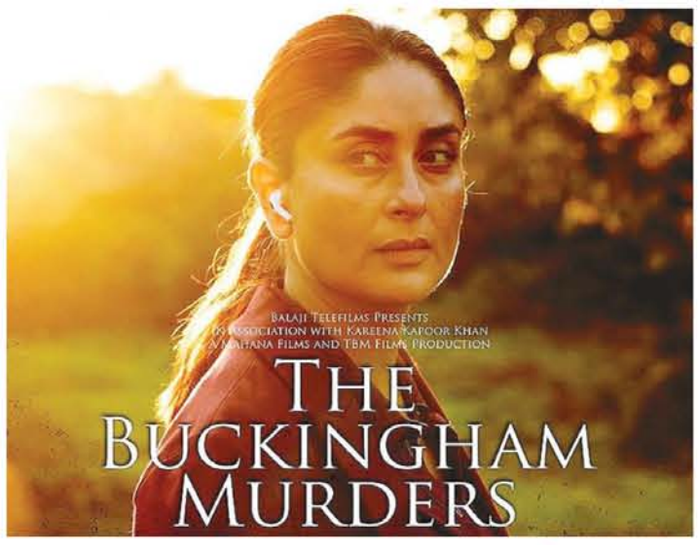

करीना कपूर की 'द बकिंघम मर्डर्स' को मिली रिलीज डेट

हंसल मेहता के निर्देशन में बनी करीना कपूर की फिल्म 'द बकिंघम मर्डर्स' को रिलीज डेट मिल गई है। बालाजी मोशन पिक्चर्स ने इसकी रिलीज से पर्दा उठाया है। यह मर्डर मिस्ट्री फिल्म इस साल सितंबर में रिलीज होगी। बालाजी मोशन पिक्चर्स ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा किया है। इसके साथ लिखा है, 'हम 'द बकिंघम मर्डर्स'की रिलीज डेट का एलान करते हुए रोमांचित महसूस कर रहे हैं। यह फिल्म 13 सितंबर 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी'। इसके साथ फिल्म से करीना कपूर का पोस्टर भी साझा किया है। 'द बकिंघम मर्डर्स' का बीएफआई लंदन फिल्म फेस्टिवल 2023 में प्रीमियर हुआ था, जिसक खूब तारीफ हुई। इसके अलावा मुंबई फिल्म फेस्टिवल 2023 में भी इस फिल्म की स्क्रीनिंग हुई थी। इस फिल्म में करीना कपूर एक जासूस महिला का किरदार निभा रही हैं, जिसका नाम जस भामरा है। पहले कयास लगाए जा रहे थे कि यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज होगी, लेकिन अब सामने आई जानकारी में फिल्म थिएटर्स में देखी जा सकेगी। 'द बकिंघम मर्डर्स' से करीना कपूर खान बतौर प्रोड्यूसर भी डेब्यू कर रही हैं। वह इसकी सह-निर्माता हैं।

सामंथा ने की अच्छे भोजन पर बात...

अभिनेत्री सामंथा को साल 2022 में पता चला था कि वो मायोसिटिस से पीड़ित हैं। इस बीमारी में मांसपेशियों में सूजन आने लगती है। अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देने के लिए सामंथा ने कामकाज से छह महीने का ब्रेक ले लिया था। पिछले साल उन्होंने कुशी फिल्म से परदे पर वापसी की थी। इस फिल्म में विजय देवरकोंडा ने भी अभिनय किया था। रूथ प्रभु पिछले काफी समय से स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों को लेकर मुखर नजर आ रही हैं। वो अक्सर अपने वर्कआउट की वीडियो साझा करती रहती हैं, जिससे कई लोग प्रेरित होते हैं।

अब सामंथा ने अपने पॉडकास्ट टेक20 में स्वस्थ भोजन खाने के महत्व पर चर्चा की है, जिस पर एक यूजर की टिप्पणी ने उन्हें जवाब देने के लिए मजबूर कर दिया। सामंथा ने अपने पॉडकास्ट में अच्छे खान-पान को लेकर जो कुछ कहा, उस पर एक सोशल मीडिया यूजर ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सामंथा अब तो खाने की बढ़िया आदतों को लेकर बात कर रही हैं, लेकिन वो विज्ञापनों में ऐसे खाद्य और पेय ब्रांडों का समर्थन कर चुकी हैं, जो स्वास्थ्य के लिए सही नहीं है। ऐसा लगता है कि यूजर की इस टिप्पणी का सामंथा पर काफी असर हुआ और शायद तभी उन्होंने इस पर अपनी ओर से भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा कि मैं अतीत में गलतियां कर चुकी हूं, जब मुझे बेहतर जानकारी नहीं थी, मगर मैंने कई विज्ञापनों में काम करना बंद कर दिया है। उन्होंने कहा कि वो जो बात कहती हैं, उसे अपने पर लागू करने में यकीन रखती हैं। सामंथा ने कहा कि उन्होंने जो भी सीखा है, उसे लेकर उन सभी बातों को अनदेखा करना मुश्किल है, जिन बातों के बारे में उन्हें पहले जानकारी नहीं थी। उन्होंने कहा कि अब उनका पूरा ध्यान स्वस्थ जीवन जीने पर केंद्रित है। इसमें चाहे खाने का चुनाव हो या फिर ब्रांड का।

बेटे लव ने किया शत्रुघ्न की बीमारी का खुलासा

दिग्गज अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा बेटी सोनाक्षी सिन्हा की शादी के कुछ दिनों बाद अस्पताल में भर्ती हुए हैं। उनके बिगड़े हुए स्वास्थ्य को लेकर उनके प्रशंसक काफी चिंतित हैं। शत्रुघ्न की बीमारी के बीच दावा किया गया था कि वह 25 जून को अपने डाइनिंग हॉल में फिसल गए थे और उनकी पसलियों में चोट लग गई थी। कुछ रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया था कि अभिनेता की सर्जरी हुई है। अब उनके स्वास्थ्य से जुड़ा अपडेट उनके बेटे लव सिन्हा ने दिया है। लव के खुलासे के बाद सभी अफवाहों पर लगाम लग गई है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक लव ने बताया कि दिग्गज अभिनेता को कुछ दिनों से वायरल फीवर और कमजोरी थी, इसलिए उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्होंने कहा, 'मेरे पिता को तेज बुखार था और हमने उन्हें अस्पताल ले जाने का फैसला किया ताकि वह ठीक हो सकें और हम उनकी सालाना जांच भी करवा सकें।' इससे पहले रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि शत्रुघ्न सिन्हा अपने डाइनिंग रूम में फिसल के गिर गए थे, जिसके कारण उनकी पसलियों में चोट आ गई थी। शत्रुघ्न सिन्हा को अपनी पसलियों में दर्द महसूस होने पर परिवार के लोगों ने कथित तौर पर सर्जरी करवाई। लव सिन्हा ने पिता शत्रुघ्न की सर्जरी की खबरों का खंडन करते हुए कहा कि वह किसी भी तरह की सर्जिकल प्रक्रिया से नहीं गुजरे हैं। लव के इस खुलासे से सभी तरह की अफवाहों पर अब लगाम लग चुकी है। लव ने बातचीत में कहा, 'मैं हर दिन अस्पताल जा रहा हूं, इसलिए मैं आपको बता सकता हूं कि कोई सर्जिकल प्रक्रिया नहीं थी।'

ऋचा को हो रहे हैं मूड स्विंग्स

अली फजल और ऋचा चड्ढा बी-टाउन के सबसे पसंदीदा जोड़ों में से एक हैं। इस जोड़े ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक साझा पोस्ट करके यह खबर साझा की कि वे बहुत जल्द पहली बार माता-पिता बनने वाले हैं। अपने पहले बच्चे का स्वागत करने से पहले, ऋचा ने अब अपने मूड स्विंग्स के बारे में अपडेट दिया है और बताया है कि वह कैसा फील करती हैं।

ऋचा चड्ढा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक क्यूट बेबी की एक रील शेयर की। क्लिप में, बच्चा रोता हुआ और खुश चेहरा दोनों बना रहा है और यह मूड ऋचा से कनेक्टेड है। वीडियो में लिखा है, "वेः तीसरी तिमाही कैसी है? मैंः (बच्चे का वीडियो)" क्लिप को साझा करते हुए, होने वाली मां ने लिखा, "हां, मैं अभी बहुत मूडी हूं" जिसके बाद कई चेहरे वाले इमोजी हैं। एक साक्षात्कार के दौरान, ऋचा चड्ढा से उनकी प्रेग्नेंसी के बारे में पूछा गया और क्या यह उनके जीवन में भाग्यशाली है। अभिनेत्री ने साझा किया, "मुझे सच में ऐसी ही उम्मीद है। मुझे लगता है कि मेरी गर्भावस्था अली फजल के लिए बहुत भाग्यशाली रही है। अचानक उन्होंने 4-5 फिल्में साइन कर लीं और फिर उन्हें कई अंतरराष्ट्रीय ऑडिशन भी मिले, विदेशों से भी पूछताछ हुई। मेरे लिए यह देखना काफी दिलचस्प था। यह एक आशीर्वाद है, आप इन चीजों की योजना नहीं बना सकते, जब यह होता है, तो होता है।"

शबाना आजमी बनीं मेहमान

देश की मशहूर लक्जरी रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट तैयार करने वाली सफल कंपनी आगा हॉल इस्टेट के सेल्स एंड शो अपार्टमेंट का उद्घाटन हाल ही में किया गया। आगा खान ने इसी जगह पर वर्ष 1840 के दशक में रेजिडेंशियल डोमेन में प्रवेश किया था। उद्घाटन समारोह का आयोजन आगा हॉल इस्टेट, नेसबिट रोड, मजगांव, मुंबई में किया गया। इस नए सेल्स पैवेलियन एंड शो अपार्टमेंट का उद्घाटन दुनिया की मशहूर अभिनेत्री शबाना आजमी और आगा हाल इस्टेट के सीईओ श्री विपिन मित्तल ने किया जो इस समारोह की मुख्य अतिथि भी थीं। अपने उद्घाटन भाषण में श्रीमती आजमी ने कहा कि आगा हाल इस्टेट को शहरी विकास का एक प्रतीक और मानदंड माना जाता है। इसके निर्माण कला में दो चीजें देखने को मिलती हैं, एक ओर इसमें आधुनिकता दिखती है, तो दूसरी तरफ उद्देश्य भी दिखता है कि कंपनी के तरफ से इन्हें जनता को ध्यान में रखकर बनाया गया है। कंपनी ने हमेशा से ही मुंबई की रिहायशी इमारतों के प्रोजेक्टों को लेकर एक नया पैमाना स्थापित किया है।

दीपिका की एक्टिंग ने जीता पीवी सिंधु का दिल

इस साल की मच अवेटेड फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोर रही है। दीपिका पादुकोण, प्रभास, अमिताभ बच्चन और कमल हासन जैसे बड़ी स्टार कास्ट वाली, यह फिल्म दुनिया भर के फैंस का दिल जीत रही है। आम लोगों के साथ-साथ ही सेलेब्स इस फिल्म की और स्टारकास्ट की जमकर तारीफ कर रहे हैं। ऐसे में अब भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु, जो दीपिका पादुकोण की प्रशंसक हैं, ने हाल ही में फिल्म की रिलीज को लेकर अपना उत्साह जाहिर किया है। पीवी सिंधु ने दीपिका पादुकोण की जमकर तारीफ की है। पीवी सिंधु ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर 'कल्कि 2898 AD' में सुमति की भूमिका में दीपिका पादुकोण की एक तस्वीर पोस्ट की है। शेयर की गई तस्वीर में एक्ट्रेस बेहद आकर्षक और खूबसूरत लग रही हैं, कहना गलत नहीं होगा कि उनका ऑन-स्क्रीन प्रेजेंस भी बेहद शानदार दिख रहा है। सिंधु ने फिल्म में दीपिका की परफॉर्मेंस की तारीफ करते हुए एक प्यारा मैसेज शेयर किया है, साथ ही कैप्शन में लिखा है, 'जस्ट वाव'। पीवी सिंधु और दीपिका पादुकोण ने कई मौकों पर अपनी दोस्ती की झलक दिखाई है। पीवी सिंधु के अलावा, सुमति के रूप में दीपिका की परफॉर्मेंस को कई अन्य सेलेब्स और दुनिया भर के दर्शकों का दिल जीत लिया है।

'मिर्जापुर' में बोल्ड दृश्यों पर विजय ने दी सफाई

लोकप्रिय वेब सीरीज 'मिर्जापुर' का तीसरा सीजन जल्द ही प्रीमियर होने वाला है। इस नए सीजन का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस सीरीज को पसंद करने वाले दर्शकों की सूची काफी लंबी है, जो इसके नए सीजन को लेकर काफी उत्साहित भी नजर आ रहे हैं।

हाल में ही इसका ट्रेलर रिलीज किया गया था, जिस पर दर्शकों ने काफी प्रतिक्रिया भी दी थी। इस सीरीज में अभिनेता विजय वर्मा जुड़वा भाइयों की दोहरी भूमिका में नजर आए हैं। इस का दूसरा सीजन एक ऐसे मोड़ पर खत्म हुआ था, जिसने दर्शकों को सोच में डाल दिया था कि छोटे भाई की मौत हुई थी या बड़े भाई की। विजय की अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी के साथ कुछ बोल्ड सीन्स भी काफी चर्चित हुए थे, जिस पर अभिनेता ने अब बात की है। अभिनेता विजय वर्मा ने अपने बोल्ड दृश्यों पर बात की है। उन्होंने कहा कि उस सीन में बड़ी आंखो वाला लड़का, जो मासूम और दिल से रोमांटिक था, उसे उस लड़की से बहुत कुछ अपने बारे में सीखने को मिला, जिससे वह बहुत प्यार करता था। उसकी प्रेमिका यहां उसे शिक्षिका की तरह समझा रही थी। अभिनेता ने कहा कि इस तरह का प्रयोग एक किरदार के लिए काफी दिलचस्प था। अभिनेता ने कहा कि भले यह दृश्य थोड़ा कामुक लगता है, लेकिन यह बताता है कि जीवन समय के साथ कैसे खुलता जाता है।

सीन का विचार सुन हंसने लगे थे निर्देशक

इस दौरान अभिनेता ने कहा कि शुरुआती चरणों में आदमी कई बार अपने महिला साथी से बहुत सारी चीजें सीखता है। यह एक लड़के को आदमी में तब्दील करती है। एक दृश्य के बारे में चर्चा करते हुए उन्होंने कहा, जब श्वेता का किरदार गोलू उन्हें एक बेल्ट देता है और कहता है मारो, तो वह खुद को पीटने लगता है। इससे यह दर्शाया गया है कि तब उसे यह समझ नहीं आता कि गोलू का क्या मतलब था। अभिनता ने बताया कि जब इस सीन का विचार निर्देशक गुरमीत सिंह को सुझाया, तो वह हंसने लगे थे। इस दौरान बोल्ड सीन्स को लेकर उन्होंने कहा कि अभिनेता अपनी भावनाओं के अनुसार प्रतिक्रिया नहीं करते हैं, बल्कि ऐसे सीन की कोरियोग्राफी होती है, जिनका उन्हें पालन करना होता है।

किसान कल करेंगे डीएम का घेराव

नोएडा (चेतना मंच)। संयुक्त किसान मोर्चा 3 जुलाई को गौतमबुद्धनगर के डीएम का घेराव करेंगे। यह जानकारी किसान परिषद के अध्यक्ष सुखबीर खलीफा ने पत्रकार वार्ता में दी। उन्होंने बताया कि दरअसल चुनाव से पहले एनटीपीसी और नोएडा – ग्रेटर नोएडा किसानों की मांगों को लेकर एक हाइपावर कमेटी बनाई गई थी। जिसके अध्यक्ष राजस्व परिषद के अध्यक्ष थे। हाइपावर कमेटी में डीएम को सदस्य बनाया गया था। भारतीय किसान परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखवीर ख़लीफ़ा ने बताया कि दिल्ली कूच आंदोलन को रुकवा कर हाइपावर कमेटी बनाई गई थी। आश्वासन दिया था कि तीन महीने में मांगों का समाधान किया जाएगा। इसकी रिपोर्ट आपको दी जाएगी। चार महीने बीत जाने के बाद भी एनटीपीसी के किसानों की मांग पर एक बार बैठक की गई। इससे एनटीपीसी के किसानों में आक्रोश है। वहीं नोएडा और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के किसानों की मांग पर भी अब तक जवाब नहीं आया। इसलिए बैठक के बाद निर्णय लिया गया कि 3 जुलाई को डीएम आवास का घेराव किया जाएगा। इसमें हजारों की संख्या में नोएडा ग्रेटरनोएडा ओर दादरी के किसान मौजूद रहेंगे। घेराव के बाद डीएम से अब तक किए गए कार्य के बारे में पूरी रिपोर्ट मांगी जाएगी। इसके बाद आगे की रणनीति तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रशासन ने किसानों के साथ धोखा किया है। अब तक उनकी एक भी मांग को पूरा नहीं किया गया है। जरूरत पड़ने पर दिल्ली जाने की तैयारी भी रहेगी।

भाजपा अध्यक्ष को नीमा ने सौंपा ज्ञापन

नोएडा में विश्व स्तरीय वेलनेस सेंटर बनाने की मांग

नोएडा (चेतना मंच)। नेशनल डॉक्टर्स दिवस के शुभ अवसर पर नेशनल इंटीग्रेटेड मेडिकल एसोसिएशन (नीमा) नोएडा गौतमबुद्ध नगर के पद अधिकारियों ने नोएडा महानगर के जिलाध्यक्ष मनोज गुप्ता से नेशनल डॉक्टर्स दिवस के अवसर पर मुलाक़ात की।

इस अवसर पर नोएडा महानगर के जिलाध्यक्ष मनोज गुप्ता ने सभी डॉक्टर्स को बधाई एवं शुभकामनाएं दी ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का सपना हर जिले में आयुर्वेदिक वेलनेस सेंटर स्थापित करने का है। इस विषय पर पदाधिकारियों ने मनोज गुप्ता को ज्ञापन सौंपा तथा कहा कि नोएडा में एक विश्व स्तरीय वेलनेस सेंटर होना चाहिए।

इस अवसर पर भाजपा शहरी विकास मोर्चा के अध्यक्ष डॉ प्रसनजीत मैत्रा, डॉ.बी.पी सिंह, डॉ. मुकेश, डॉ.संजय, डॉ वसुधा, डॉ स्नेहलता, डॉ नरगिस, डॉ अनूप गुप्ता सभी पदाधिकारी संग रहे।

ग्रेनो प्राधिकरण ने बिल्डर भूखंडों की योजना की लांच

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने 05 बिल्डर भूखंडों की योजना लांच कर दी है। इस स्कीम के ब्रोशर डाउनलोड करने और पंजीकरण कराने की सुविधा कल (मंगलवार) से शुरू हो जाएगी। इन 05 भूखंडों के आवंटन से ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण को रिजर्व प्राइस के आधार पर करीब 500 करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद है। भूखंडों का आवंटन ई-ऑक्शन से होगा। इन भूखंडों के आवंटन होने पर 8 हजार नए फ्लैट बन सकेंगे।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर बिल्डर विभाग की तरफ से 05 बिल्डर भूखंडों की योजना लांच कर दी गई है। इस योजना के जरिए कुल 99 हजार वर्ग मीटर जमीन आवंटित की जाएगी। ये भूखंड ओमीक्रॉन वन ए, म्यू, सिग्मा थ्री, अल्फा टू, पाई वन व टू में स्थित हैं। ये भूखंड 3999 वर्ग मीटर से लेकर 30470 वर्ग मीटर एरिया तक के हैं। इसके ब्रोशर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। इनको डाउनलोड किया जा सकता है। इन भूखंडों के लिए एसबीआई पोर्टल के जरिए ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की वेबसाइट से भी इसका लिंक दिया गया है। इस योजना में पंजीकरण की अंतिम तिथि 23 जुलाई है। पंजीकरण शुल्क, ईएमडी (अर्नेस्ट मनी डिपोजिट) और प्रोसेसिंग फीस 26 जुलाई 2024 है। डॉक्यूमेंट सबमिट करने की अंतिम तिथि 29 जुलाई है। आवंटन होते ही इन भूखंडों पर पजेशन भी मिल जाएगा। इन सभी 05 भूखंडों के आवंटन होने पर करीब 8 हजार नए फ्लैट बन सकेंगे। प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार का कहना है कि ग्रेटर नोएडा में ग्रीनरी एनसीआर में सबसे अधिक है।

एडीसीपी ने फोनरवा को दी नये कानूनों की जानकारी

नोएडा (चेतना मंच)। नए कानून की जानकारी देने के लिए अपर पुलिस उपायुक्त (एडीसीपी) मनीष कुमार मिश्रा, एसीपी अरविंद कुमार, थानाध्यक्ष ध्रुव भूषण तथा अन्य अधिकारियों के साथ फोनरवा की कार्यकारिणी कमेटी की मीटिंग हुई।

एडीसीपी ने सभी को नए कानून के बदलाव की जानकारी विस्तार से बताई। इसके अलावा सदस्यों द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब दिए। फोनरवा अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा और महासचिव के के जैन जैन ने निवेदन किया कि हमारे सभी आरडब्ल्यूए के पदाधिकारीयो के साथ मीटिंग करके नए कानून की जानकारी दी जाए तथा उन सेक्टर में जो समस्या है उनका समाधान किया जाए।

इस अवसर परअध्यक्ष योगेंद्र शर्मा, महासचिव के के जैन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय भाटी, अशोक कुमार मिश्रा, सुशील यादव, देवेंद्र सिंह, कोषाध्यक्ष पवन यादव, त्रिलोक शर्मा, अशोक कुमार शर्मा, प्रदीप वोहरा, लाटसाहब लोहिया एडवोकेट, कोसिन्दर यादव, भूषण शर्मा, टीसी गौड़, सुशील शर्मा, सोमपाल सिंह, वीएस नेगी, श्रीमती अंजना भागी, दिनेश भाटी, विनोद शर्मा, जितेन्द्र सिंह, धीरज शर्मा, विनोद कुमार, दिव्य कृष्णत्रेय, सुनील वाधवा, धर्मेंद्र शर्मा, जीसी शर्मा, अनिल त्यागी, बेगराज सिंह, सुभाष भाटी, देवेंद्र कुमार, राजेश कुमार, डी डी तिवारी, ए के सहगल, दिनेश कुमार शर्मा, एस के वर्मा, नीरज शर्मा, पुलकित गुप्ता, प्रमोद वर्मा, सतनारायण गोयल तथा अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

प्लास्टिक के विकल्पों का प्रयोग बढ़ाना होगा: प्रो.रियार

नोएडा (चेतना मंच)। एमिटी विश्वविद्यालय के एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ फूड एंड टेक्नोलॉजी द्वारा छात्रो और शोधार्थियों के लिए पांच दिवसीय उच्च स्तरीय प्रयोगिक कार्यशाला का आयोजन किया गया है। इस कार्यशाला का शुभारंभ पंजाब के संत लौंगोवाल अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान के फूड इंजिनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी विभाग के प्रोफेसर डा चरनजीत सिंह रियार, एमिटी विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर डा बलविंदर शुक्ला, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के प्रिसिंपल वैज्ञानिक डा श्रुति सेठी और एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ फूड एंड टेक्नोलॉजी के प्रमुख डा वी के मोदी द्वारा किया गया।

कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए पंजाब के संत लौंगोवाल अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान के फूड इंजिनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी विभाग के प्रोफेसर डा चरनजीत सिंह रियार ने कहा कि मानव सभ्यता जब से अस्तित्व में आई है तब से उसने खाद्य का निर्माण और उसको सुरक्षित रखने की विधि के अभ्यास को प्रारंभ किया है।

प्लास्टिक के सस्ते, आसानी से उपलब्ध होने के कारण इसका बहुत अधिक उपयोग हो रहा है जिसका प्रतिकूल प्रभाव पर्यावरण एंव मानव स्वास्थय पर भी पड़ा। अब समय आ गया है कि हमें नॉन बायोडिग्रेडेबल से बायोडिग्रेडेबल पर परिवर्तीत हो जाना चाहिए और खाद्य वस्तुओं विशेषकर फल एवं सब्जियों की शेल्फ जीवन एवं गुणवत्ता को बढ़ाने के बायोडिग्रेडेबल फिल्म या आवरण का उपयोग करना चाहिए।

एमिटी विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर डा बलविंदर शुक्ला ने कहा कि खाद्य फिल्मों और कोटिंग्स पर अनुसंधान में नित नई प्रगती हो रही है जिससे फल, सब्जियों, मांस और डेयरी उत्पादों सहित जल्द खराब होने वाले उत्पादों पर खाद्य फिल्मों के प्रयोग से बढ़ रही शेल्फ लाइफ का विस्तार हो रहा है। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के प्रिसिंपल वैज्ञानिक डा श्रुति सेठी ने कहा कि हमें प्लास्टिक के विकल्पों को तलाशना होगा जो ना केवल खाद्यों की शेल्फ लाइफ बढ़ाये बल्कि पर्यावरण को नुकसान होने से भी बचाये।

सपाईयों ने मनाया अखिलेश यादव का जन्मदिन

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-119 के बारात घर में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का जन्मदिवस पूर्व महानगर अध्यक्ष दीपक विग व पूर्व छात्र सभा अध्यक्ष व किसान नेता अतुल यादव के नेतृत्व में मनाया गया।

इस अवसर पर समाजवादी पार्टी द्वारा भविष्य एनजीओ के अन्तर्गत जो ग़रीब बच्चे पढ़ने आते है उनको स्कूल बैग, कॉपी, पेन, केक और खाना वितरित किया गया। इस अवसर पर दीपक विग ने कहा अखिलेश जी को ईश्वर दीर्घायु दे, अच्छा स्वस्थ दे और इतनी ऊर्जा दे ताकि वो समाजवादी पार्टी की 2027 में सत्ता में ला सकें और पिछड़े, दलित, ग़रीब, अगड़े अल्पसंख्यक व आधी आबादी के विकास के लिए काम कर सकें। उन्होंने कहा कि 7 जुलाई को वृक्षारोपण भी किया जाएगा।

इस अवसर पर पूर्व महानगर अध्यक्ष दीपक विग, पूर्व छात्र सभा महानगर अध्यक्ष व किसान नेता अतुल यादव, पूर्व कोषाध्यक्ष दिनेश यादव, पूर्व कॉलिज अध्यक्ष सौरव यादव, समाजसेवी विकास झा, रोहित यादव, विकास भूमिहार, कोसिंदर यादव उपस्थित रहे।

सेक्टर-55 में अखिलेश यादव का मनाया जन्मदिन

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-55 में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता तथा मजदूर सभा के पूर्व महानगर अध्यक्ष रजब खान ने पार्टी के कई समर्थकों के साथ समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का जन्मदिन मनाया। उन्होंने केक काटकर राष्ट्रीय अध्यक्ष के दीर्घायु तथा स्वस्थ्य रहने की कामना की। इस मौके पर एक दर्जन से अधिक कार्यकर्ता मौजूद थे।

हम स्वस्थ और खुशहाल रहें, यही डाक्टरों की कोशिश : डॉ. डी.के. गुप्ता

नोएडा (चेतना मंच)। बीमारी की राह में जो रोशनी लाते हैं, दर्द और तकलीफ को जो मिटाते हैं, दिन-रात मेहनत करके लोगों को बेहतर स्वास्थ्य व खुशहाल जीवन देने के लिए डाक्टरों की सराहना की जानी चाहिए। यह बातें सेक्टर-38ए गोल्फ क्लब में आयोजित डॉक्टर दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में फेलिक्स अस्पताल के चेयरमैन डॉ. डी.के गुप्ता ने कही।

उन्होंने बताया कि भारत में डॉक्टर दिवस 1 जुलाई को मनाया जाता है। इस दिन को प्रसिद्ध चिकित्सक और पश्चिम बंगाल के दूसरे मुख्यमंत्री डॉ. बिधान चंद्र रॉय के सम्मान में मनाया जाता है। यह दिन डॉक्टरों के द्वारा की गई मेहनत, समर्पण और हमारे स्वास्थ्य की देखभाल के लिए उनकी सेवा को सराहने के लिए मनाया जाता है। डॉक्टर दिवस इसलिए मनाया जाता है ताकि हम डॉक्टरों के प्रति अपना आभार व्यक्त कर सकें और उनके द्वारा किए गए महान कार्यों को सराह सकें। डॉक्टर हमारी सेहत का ख्याल रखते हैं, बीमारियों का इलाज करते हैं, और हमारे जीवन को स्वस्थ और खुशहाल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस दिन को मनाने का उद्देश्य डॉक्टरों की कठिन मेहनत और समर्पण को सम्मानित करना है। डॉक्टर दिवस हमें एक मौका देता है कि हम डॉक्टरों के प्रति अपना आभार व्यक्त कर सकें।

फेलिक्स हॉस्पिटल की डायरेक्टर डॉ रश्मि गुप्ता ने बताया कि यह दिन उन डॉक्टरों को भी पहचान और मान्यता देता है जिन्होंने चिकित्सा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और नई खोजें की हैं। यह दिन समाज में डॉक्टरों के पेशे की महत्ता को भी उजागर करता है और इस पेशे के प्रति सम्मान और आदर को बढ़ावा देता है। डॉक्टर दिवस युवा पीढ़ी को चिकित्सा के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए प्रेरित करता है, जिससे भविष्य में भी हमारे पास समर्पित और कुशल डॉक्टर हों।

डॉक्टर स्वस्थ जीवनशैली के लिए सलाह देते हैं, जैसे कि संतुलित आहार, व्यायाम, और बुरी आदतों से बचना।

फेलिक्स अस्पताल में मेडिकल डायरेक्टर डॉ सौम्या आहूजा ने बताया कि डॉक्टर हमारी बीमारियों का इलाज करते हैं और हमारे स्वास्थ्य की सुरक्षा करते हैं। गंभीर बीमारियों और आपातकालीन स्थितियों में डॉक्टर हमें जीवन रक्षा सेवाएं प्रदान करते हैं।